दैनिक

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-59
मुरादाबाद
19 June 2024
(Wednesday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रुपया

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अब मैं यहीं का हो गया, मां गंगा ने गोद ले लिया; काशीवासियों का मुझ पर असीम स्नेह

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे। पीएम ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की। साथ ही पीएम ने स्वयं सहायता समूह की 30,000 से अधिक महिलाओं को कृषि सखी प्रमाण पत्र भी प्रदान किया।मैंने नौजवान, नारी शक्ति और गरीब सभी को भारत का मजबूत स्तंभ माना है। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत मैंने सरकार बनते ही सबसे पहले फैसला किसान और गरीब परिवारों से जुड़ा फैसला लिया।

देश भर में गरीब परिवारों के लिए तीन करोड़ में घर बनाने हों या फिर पीएम किसान सम्मन निधि को आगे बढ़ाना हो यह फैसला करोड़ों लोगों की मदद करेंगे। आज का ये कार्यक्रम भी विकसित भारत के इसी रास्ते को सशक्त करने वाला है।पीएम ने कहा कि इस चुनाव में देश के लोगों ने जो जनादेश दिया है वह वाकई अभूतपूर्व है। एक नया इतिहास रचा। दुनिया के लोकतांत्रिक देश में ऐसा बहुत कम ही देखा गया है कि कोई चुनी हुई सरकार लगातार तीसरी बार वापसी करें। जनता ने यह भी करके दिखाया है। ऐसा भारत में 60 साल पहले हुआ था तब से भारत में किसी सरकार ने इस तरह हैट्रिक नहीं लगे। आपने यह सौभाग्य हमें दिया अपने सेवक मोदी को दिया। भारत जैसे देश में जहां युवा आकांक्षा इतनी बड़ी है, जहां जनता के आधार सपने हैं वहां लोग अगर किसी सरकार को 10 साल के काम के बाद फिर सेवा का अवसर देते हैं। बहुत बड़ा वीजा है और बहुत बड़ा विश्वास है। पीएम ने कहा कि इस चुनाव में 31 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया है। यह एक देश में महिला वोटर की संख्या के हिसाब से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह संख्या अमेरिका के पूरे आबादी के आसपास है। भारत के लोकतंत्र की यही खूबसूरती यही ताकत पूरी दुनिया को आकर्षित भी करती है। प्रभावित भी करती है। मैं बनारस के हर मतदाता का भी लोकतंत्र की उत्सव को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। यह बनारस के लोगों के लिए भी गर्भ की बात है काशी के लोगों ने तो सिर्फ एमपी नहीं बल्कि तीसरी बार पीएम भी चुना है।

इसलिए आपको डबल बधाई देता हूं। पीएम ने कहा कि मैं आपका ऋणी हूं। साथियों भारत में 18वीं लोकसभा के लिए हुआ यह चुनाव भारत के लोकतंत्र की विशालता को, भारत के लोकतंत्र के समर्थक को, भारत के लोकतंत्र की व्यापकता को, भारत के लोकतंत्र की जड़ों की गहराई को दुनिया के सामने पूरे समर्थ के साथ प्रस्तुत करता है। इस चुनाव में देश के 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। पूरी दुनिया में इससे बड़ा चुनाव कहीं और नहीं होता है, जहां इतनी बड़ी संख्या में लोग वोटिंग में हिस्सा लेते।जी 7 के सारे मतदाताओं को मिला दें तो भी भारत के वोटर की संख्या उनसे डेढ़ गुना ज्यादा है यूरोप के तमाम देशों को जोड़ दें यूरोपीय यूनियन के सारे मतदाताओं को जोड़ दें तो भी भारत के वोटर की संख्या उनसे ढाई गुना ज्यादा है। चुनाव के बाद आज हम पहली बार बनारस आयल हईं। काशी के जनता जनार्दन के हमार प्रणाम। बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से काशी वासियों के, असीम से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला है। काशी के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुनकर धन्य कर दिया है। जैसे मुझे गोद ले लिया है। मैं यहीं का हो गया। इतनी गर्मी के बावजूद आप सभी यहां बड़ी संख्या में आशीर्वाद देने आए हैं और आपके तपस्या देखकर के सूर्य देवता भी थोड़ा ठंडक बरसाने लग गया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी करने वाले हैं। इसके जरिये देश के 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों को 20,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।सीएम योगी ने कहा कि नई काशी के कायाकल्प के लिए हजारों करोड़ रुपये लगे हैं। दुनिया ने काशी को बदलते देखा है। कहा कि जब तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ मोदी जी ने ली तो उन्होंने सबसे पहला कार्य और सबसे पहले किसी एक फाइल पर हस्ताक्षर किया तो किसानों के लिए किया। किसानों के लिए समर्पित और आज देश के करोड़ों किसानों को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि की नई सौगात के साथ अभियान का शुभारंभ होने जा रहा है।सीएम योगी ने काशीवासियों के तरफ से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि तीसरी बार पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी काशी पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम अपने अन्नदाताओं के बीच पहुंचे हैं। इस अवसर पर मां गंगा के पुत्र का स्वागत करता हूं।दशाश्वमेघ घाट पर आज पीएम मोदी गंगा आरती देखेंगे। पीएम यहां पूजा भी करेंगे। ऐसे में गंगा में मशीन के जरिये कचरा साफ कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में गर्मी से हाहाकार: आगरा में 46.3 डिग्री पहुंचा पारा, तीन युवकों की मौत; घरों में कैद हुए लोग

गर्मी हर दिन एक नया रिकॉर्ड बना रही है। आगरा सहित पूरा यूपी भीषण लू व गर्मी की चपेट में है। आगरा में 46.3 डिग्री तापमान रहा। इसकी वजह से दोपहर से ही सड़कों पर सन्नाटा छा गया।उत्तर प्रदेश में गर्मी चरम पर है, तो वहीं आगरा में 46.3 डिग्री तापमान और लू के थपेड़ों से हाल बेहाल रहा। भीषण गर्मी में तीन युवकों की मौत हो गई, तो वहीं चार सैलानियों की तबीयत स्मारकों में खराब हो गई। आगरा किला में दो और ताजमहल पर दो सैलानियों को प्राथमिक उपचार दिया गया।गर्मी में लू के थपेड़े जानलेवा हो गए हैं। सोमवार को लू से तीन युवकों की मौत हो गई। ताजगंज क्षेत्र के नगला तल्फी में रामलखन (30) और तोरा में बैंक ऑफ बड़ौदा के पास एक युवक का शव मिला है। केंद्रीय हिंदी संस्थान रोड पर इंदल ने दम तोड़ दिया। वह इंदौर का रहने वाला था। मजदूरी करता था। प्रभारी निरीक्षक ताजगंज ने बताया कि नगला तल्फी में रामलखन का शव एकता चौकी, टीवी टावर के पास मिला। तोरा में बैंक के पास मिले शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। दोनों की मृत्यु गर्मी से हुई है। दोनों मजदूर थे।लू से चार सैलानियों की बिगड़ी तबीयत- सोमवार को ताजमहल में ईद की नमाज के बाद आई प्रिया की तबीयत खराब हो गई। वह लू के कारण पश्चिमी गेट की ओर गिर गईं। ीरभद्रास्वामी को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कर्मचारी डिस्पेंसरी ले गए,

0.001% भी लापरवाही हुई है तो..., नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों पर सुप्रीम कोर्ट का NTA-केंद्र को नोटिस

अदालत ने कहा कि अगर नीट परीक्षा में 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई है तो उससे निपटा जाना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से कई तीखे सवाल किए। अदालत ने कहा कि अगर नीट परीक्षा में 0.001 फीसदी भी लापरवाही हुई है तो उससे निपटा जाना चाहिए।इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और इस मामले में जवाब दाखिल करने को कहा है। मेडिकल की इस परीक्षा के लिए छात्र-छात्राओं की मेहनत पर बात करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस याचिका को विरोधात्मक भाव से नहीं देखा जाना चाहिएजस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने कहा कि हम इन परीक्षाओं की तैयारियों में बच्चों की मेहनत से अवगत हैं। कोर्ट ने कहा कि मान लीजिए कि इस सिस्टम से धोखाधड़ी कर के कोई व्यक्ति डॉक्टर बन जाए। ऐसा शख्स समाज के लिए नुकसानदेह है। बेंच ने कहा कि परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते हुए आपको मजबूती से खड़ा होना होगा। अगर कोई गलती हुई है तो उसे माना जाना चाहिए और बताना चाहिए कि क्या कार्रवाई की जा रही है। इससे आपके प्रदर्शन पर आत्मविश्वास पैदा होता है। अधिकारियों की तरफ से समय पर कदम उठाने पर जोर देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इन याचिकाओं पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ आठ जुलाई को सुनवाई होगी। इनमें वे याचिकाएं भी शामिल हैं जिनमें परीक्षा को नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। कोर्ट ने कहा कि एनटीए और केंद्र इन नई याचिकाओं पर भी दो सप्ताह के अंदर अपने जवाब दाखिल करें। इस बीच जब कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पक्ष रख रहे एक अधिवक्ता ने परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न से संबंधित मुद्दा उठाया तो बेंच ने कहा कि एनटीए और केंद्र इस पर जवाब देंगे। कोर्ट ने कहा, पहले हम आपकी दलीलों का मकसद समझ लें। इन मामलों में हम शाम तक बैठने को तैयार हैं।

रविंद्र वायकर लोकसभा नहीं पहुंचेंगे, शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने रिटर्निंग अफसर पर लगाए आरोप

संजय राउत ने कहा कि हमने ईवीएम पर सवाल नहीं उठाया है, लेकिन व्यवस्था पर सवाल उठाया है। हमने रिटर्निंग अफसर पर सवाल उठाए हैं...रविंद्र वायकर लोकसभा नहीं पहुंचेंगे। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने शिवसेना सांसद रविंद्र वायकर पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि रविंद्र वायकर पहले शिवसेना में थे, लेकिन ईडी, सीबीआई के डर से पार्टी छोड़ गए थे। पहले उन्हें उनके खिलाफ चल रहे ईडी के मामले पर बात करनी चाहिए कि उसकी जांच क्यों रुक गई? हमने ईवीएम पर सवाल नहीं उठाया है, लेकिन व्यवस्था पर सवाल उठाया है। हमने रिटर्निंग अफसर पर सवाल उठाए हैं...रविंद्र वायकर लोकसभा नहीं पहुंचेंगे। रविंद्र वायकर की जीत पर उठ रहे सवाल- रविंद्र वायकर मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से महज 48 वोटों से

जीते हैं, उन्होंने उद्धव ठाकरे की शिवसेना के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर को करीबी मुकाबले में हराया। हालांकि ये चुनाव नतीजा विवादों में फंस गया है। दरअसल अमोल कीर्तिकर ने मतगणना केंद्र पर धांधली का आरोप लगाया है। मुंबई पुलिस ने रविंद्र वायकर के साले मंगेश पांडिलकर के खिलाफ मामला भी दर्ज किया है। आरोप है कि 4 जून को आम चुनाव के नतीजों की घोषणा के समय मंगेश को कथित तौर पर मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए देखा गया था। पांडिलकर को मोबाइल देने के आरोप में चुनाव आयोग के एक कर्मचारी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। मोबाइल से ईवीएम अनलॉक करने का आरोप- मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पांडिलकर के मोबाइल फोन का इस्तेमाल ईवीएम मशीन को अनलॉक करने और ओटीपी जेनरेट करने के लिए किया गया था। फिलहाल पुलिस ने मोबाइल फोन को फोरेंसिक लैब भेजा है, ताकि मोबाइल फोन का डाटा मिल सके। साथ ही फोन पर मौजूद फिंगर प्रिंट भी लिए गए हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने ईवीएम हैकिंग के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

लोकसभा-विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद EVM पर भड़के जगन मोहन, मतपत्रों के इस्तेमाल पर दिया जोर

वाईएसआरसीपी के सुप्रीमो जगन मोहन रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दुनिया भर में लगभग हर उन्नत लोकतंत्र में चुनावों में ईवीएम का नहीं, बल्कि मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है।वाईएसआरसीपी के सुप्रीमो वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की जगह मतपत्रों का इस्तेमाल पर जोर दिया। आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने दावा किया कि हर उन्नत लोकतंत्र में मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है।

वाईएसआरसीपी के सुप्रीमो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, दुनिया भर में लगभग हर उन्नत लोकतंत्र में चुनावों में ईवीएम का नहीं, बल्कि मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए हमें भी उसी ओर बढ़ना चाहिए। जगन मोहन रेड्डी ने कहा, जिस तरह से न्याय केवल होने से नहीं होता, बल्कि दिखना भी चाहिए। ठीक वैसे ही लोकतंत्र भी केवल कायम नहीं होना चाहिए, बल्कि दिखना भी चाहिए।आंध्र प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में वाईएसआरसीपी को केवल 11 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। वहीं लोकसभा चुनाव में पार्टी केवल चार ही सीट जीत पाई। राज्य की 175 विधानसभा सीटों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 164 सीटों पर जीत हासिल की। लोकसभा चुनाव में इस गठबंधन ने 25 मे से 21 सीटें जीतीं।

इंडी गठबंधन के बड़े नेताओं को स्वाति मालीवाल की चिट्ठी, राहुल गांधी से मांगा मिलने का समय

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने इंडी गठबंधन के बड़े नेताओं से मिलने का समय मांगा है। जिसके लिए उन्होंने सभी को चिट्ठी लिखी है।बीती 13 मई को दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई घटना के बाद एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। स्वाति मालीवाल ने अपने मामले को लेकर इंडी गठबंधन के नेताओं को चिट्ठी लिखी है और उन्होंने मिलने का समय भी मांगा है। स्वाति मालीवाल ने एक्स पर पोस्ट साझा कर बताया कि उन्होंने इंडी गठबंधन के बड़े नेताओं को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि पिछले 18 सालों से मैंने जमीन पर काम किया है और नौ सालों में महिला आयोग में 1.7 लाख केस में सुनवाई की। पिछले 18 सालों से मैंने ज़मीन पे काम किया है और 9 सालों में महिला आयोग में 1.7 लाख केस में सुनवाई करी है। बिना किसी से डरे और किसी के आगे झुके, महिला आयोग को एक बहुत ऊँचे मक़ाम पे खड़ा करा है। पर बहुत दुख की बात है कि पहले मुझे मुख्यमंत्री के घर पे बुरी तरह पीटा गया,आगे लिखा कि बिना किसी से डरे और किसी के आगे झुके हुए। महिला आयोग को एक बहुत ऊंचे मुकाम पर खड़ा किया। लेकिन बहुत दुख की बात है कि पहले मुझे मुख्यमंत्री के घर पर बुरी तरह पीटा गया, फिर मेरा चरित्र हरण किया गया है। आज इस विषय पर मैंने इंडी गठबंधन के सभी बड़े नेताओं को पत्र लिखा है। मैंने सबसे मिलने का समय मांगा है।

संपादकीय Editorial

Tourism Sarathi Parivahan

This is not just a passenger bus nor is it a comfortable route to Himachal's destination. It is an experience, a year-round clear weather, a walk in the mountainous cover and the Leh route have a deep relation with Himachal's tourism. Obviously, this is also the annual celebration of HRTC's adventure travel, which makes Himachal a tourism brand in the kingdom of transport for a few months. The bus running again on the Delhi-Leh route carries with it a whole colony of good omens and it is the assurance of the destination in the challenges of the journey. That is, a distance of 981 kilometers and a companionship of thirty hours, is the courage to go through the mountainous difficulties. A record, a milestone and the experience of settling in the soul amidst the views of memories. In fact, this is a daring journey of Himachal where the trust on HRTC flourishes in the pinnacle of driving skills, but now we should go beyond this record and refine the experience of Delhi-Leh route and make it a prized demand of tourists so that this feeling remains alive forever. This is because the axis of Himachal is revolving around the bus of only one route. If we make this route a permit for tourism, then Himachal Parivahan can become the charioteer at every turn of human curiosity. Despite establishing many dimensions in the comfortable role of the journey from Delhi to Manali, the further journey has still not progressed except for a tradition. Of course, this is like four days of moonlight, but this treasure can have many uses and experiments. This can increase the attraction of Himachal many times in the posture of 'tourism charioteer transport' beyond just a journey, provided we guarantee the tourists a convenience ticket beyond the travel ticket in advance of this feeling. In the concept of tourism charioteer transport, buses should leave for Leh simultaneously not only from Delhi but also from Jaipur, Dehradun-Mussoorie, Amritsar and Jammu, which can become a convoy of mini buses after Manali. During the journey, at least one day and night rest should be in Himachal. Himachal should identify some routes from interstate bus services as 'tourism charioteer transport'. Many destinations of the state are now creating maximum demand for luxury buses more than ordinary bus services. If the private sector is successful in fulfilling this demand of transport in Dharamshala, Dalhousie, Manali, Shimla, Beed and some other cities, then the Transport Corporation should also attract tourists in addition to passengers in its services. If bus services are available on the basis of destination to destination service under the 'tourism charioteer transport' service, then the losses of the Road Transport Corporation will be reduced in the capacity of interstate tourism. This is also because private Volvo buses are controversial due to their fares and bus stoppages, whereas HRTC can make several packages to bring tourists to Himachal from a city like Delhi. If the tourism and transport corporations are made partners of the 'Paryatan Sarathi Parivahan' scheme, then the tourist routes will be much discussed. The contract of the transport corporation with various trains, especially Vande Bharat, coming to Una or Pathankot, can provide a comfortable journey to the tourists. Himachal Path Parivahan Nigam should establish its bus depots or bus stands in Chandigarh, Delhi and Haridwar, besides developing a passenger and tourist facility resort between Delhi-Chandigarh so that people coming to Himachal always consider themselves guests in the travel experience.

EVMs should be put to the test for the last time, if anyone raises any questions then they should be dealt with strictly

In a way it was assumed that all parties have regained their faith in EVMs, but now two incidents have once again let the EVM genie out of the bottle. It is unfortunate that Indian political parties are making allegations and counter-allegations about EVMs, whereas it has been about 42 years since EVMs have been used in India. On June 4, just before the counting of votes in the Lok Sabha elections, the opposition was very aggressive and attacking on the Electronic Voting Machine (EVM). However, as the election results started coming on June 4, the mention of EVMs started getting left behind. In fact, this time in the Lok Sabha elections, no party got a clear majority. The ruling Bharatiya Janata Party fell short of majority, while most opposition parties including Congress, Samajwadi Party, Trinamool Congress performed better than 2014 and 2019 and reached the Lok Sabha. In a way, it was assumed that all parties have regained faith in EVMs, but now two incidents have once again let the EVM genie out of the bottle. It is unfortunate that Indian political parties are making allegations and counter-allegations about EVMs, while it has been about 42 years since EVMs are being used in India. Today EVMs are being used in all assembly and Lok Sabha elections. The first incident came to light regarding the Mumbai North West Lok Sabha seat. Now a local newspaper published the news that the EVM was unlocked by connecting it to a mobile and using OTP. The victory on this seat was by only 48 votes. The Election Commission has not only issued a notice to the concerned newspaper for publishing misleading news, but also made it clear through a press conference that EVMs are not connected to mobile or any other device. It is an independent unit. It is clear that the Election Commission has said its part, but the opposition leaders took this news in their stride. Once again, they raised questions on the credibility of EVMs. They reiterated the same old demand of conducting elections with ballot papers. The second incident came from abroad where questions were raised on the credibility of EVMs. Big business tycoon Elon Musk created a sensation by saying that EVMs should be discontinued because they can be hacked by humans or AI. However, it is not clear whether he said this in the context of India or America. Former Union Minister Rajiv Chandrashekhar immediately refuted Elon Musk's statement. He replied that this idea may be applicable to America, where computer platforms are used to make EVMs connected to the Internet. The EVM network in India is completely different. It is not connected to any connectivity, Bluetooth or Wi-Fi. EVM hacking is not possible here. By the way, raising questions on EVMs is not a new thing. Former Deputy Prime Minister and Bharat Ratna Lal Krishna Advani has also advocated for discontinuing EVMs. Actually, the party which is in opposition, questions the credibility of EVM. Now let's talk about the Indian version of EVM. In India, EVM was first used in a by-election in Kerala in the year 1982. At that time, EVMs were placed at only a few polling booths. However, then the Supreme Court had banned the use of EVMs saying that no legal process was adopted for its use, that is, EVMs have not got any legal status. In the year 1988, the then Rajiv Gandhi government gave the green signal to the use of EVMs by making an amendment in the Constitution. It is amazing that today the Congress party is the most vocal about EVMs. In the year 2004, EVMs were used for the first time in the Lok Sabha elections, then more than 10 lakh EVMs were used. The question arises that when EVMs can be used on such a wide scale in India, then why were EVMs discontinued in developed countries like America, Netherlands, Ireland, Germany? In fact, unlike India, in America, Ireland, Netherlands, Germany etc. EVM was a direct recording machine instead of an independent unit. Moreover, the government there has not given any legal recognition to EVM. The circumstances in India are completely different. India is the world's largest democracy. In the recent Lok Sabha elections, more than 60 crore people exercised their franchise through EVMs. The entire election process is very transparent. Neither during casting the vote, nor during the counting of votes, any kind of problem arose, whereas conducting elections through ballot paper was not only very expensive, but the election process was also very long. Raising questions on the election process again and again is not a good thing for a healthy democracy. All political parties should sit with the Election Commission and understand this issue from the experts' point of view. Some parties also have leaders with technical knowledge. They should come forward. Moreover, the Election Commission organizes programs from time to time to hack EVMs, but till date no one has come to hack EVMs. The Election Commission should once again organize an EVM hacking competition and give an open challenge to hackers from India and abroad. This time whatever result comes out, it should be considered acceptable to all. After this, if any political party or leader raises questions about EVM and is unable to prove their allegations, then the Election Commission should deal with them strictly.

What did we learn from the Kedarnath disaster?

If we had learnt any lesson from the Kedarnath disaster, then the devastation caused by the floods of Dhauli Ganga and Rishiganga in the high Himalayan region of the border Chamoli district on 7 February 2021 would not have happened. It has been 11 years since the Kedarnath disaster, but the wounds of that horror have not healed yet. It could not be accurately estimated how many people would have died in that tragedy. But in the report submitted by the state police to the Human Rights Commission, a total of 6182 people were reported missing in this disaster. Apart from these, about 500 skeletons were also found on the hills. Missing means those who could never return. There was no record of the sadhus about whom no one was to inquire and the poor travelers who came from remote parts of the country. In non-governmental unconfirmed estimates, the number of dead was said to be more than 10 thousand. If we had learnt any lesson from the Kedarnath disaster, then the devastation caused by the floods of Dhauli Ganga and Rishiganga in the high Himalayan region of the border Chamoli district on 7 February 2021 would not have happened. At least 206 people were confirmed dead in that tragedy. If the 13.2 MW power project on Rishiganga and 520 MW power project on Dhauli Ganga were not being built despite the opposition of local people and environmentalists like Chandi Prasad Bhatt, then the floods of these rivers would not have been so devastating. It seems that our planners and policy makers could not learn any lesson from the horror of neither Kedarnath nor Dhauliganga floods. The question is not only about the upheavals of Uttarakhand Himalaya. In the name of development, the entire Himalaya is being tampered with the ecology, the result of which we have seen in Himachal Pradesh last year. Invitation to risk in the name of beauty- If lessons had been learnt from the Kedarnath disaster of 2013 and the Dhauliganga disaster of 2021, then such huge construction would not have been done in the name of beautification and security in Kedarnath. Whereas the then director of the Indian Geological Department, along with geologists like Mahendra Pratap Singh Bisht, had recommended a ban on heavy construction work above Rambada at any cost and said that Kedarnath Dham is not situated on solid ground but on debris, which cannot bear heavy construction. Here, despite the warnings of experts, Badrinath Dham was also dug up in the name of beautification. Due to this digging, some holy streams like Krom Dhara of Badrinath disappeared. Flood of faith on the sensitive Himalayas Due to increase in means and facilities of transport, the crowd of pilgrims in all the four Dhams of Uttarakhand is breaking previous records. This year, till 16 June, 23,54,440 pilgrims had reached all the four Dhams. Whereas till the year 2000, much less pilgrims used to come in the entire six months. Before the construction of motor roads to these pilgrimages, only 60-70 thousand pilgrims could reach. The special thing is that the influx of pilgrims is pouring more in Kedarnath than in Badrinath. Whereas Kedarnath is a 21 km long trek and Badrinath is reached directly by vehicle. When the huge crowd could not be handled, the government kept a daily quota for the pilgrims but then removed it. After all, the government also has to boast of the achievement of the huge number of pilgrims. According to experts like Padma Bhushan Chandi Prasad Bhatt, such a huge crowd at Himalayan pilgrimage sites beyond their carrying capacity can only be disastrous. The most worrying thing is that lakhs of vehicles are directly reaching near Gangotri and Satopanth glacier groups. Due to which there is a danger of increasing the speed of melting of these glaciers and increasing the number and size of glacial lakes on the Himalayas. In the flood of 2013, Chorabari lake itself had broken on Kedarnath. According to the data received, till 16 June this year, in just one month and 6 days, 2,58,957 vehicles had reached Badrinath and Gangotri and near Kedarnath and Yamunotri. The government and administration are self-absorbed by counting the number of pilgrims. NIDM's recommendations were discarded. In order to find out the reasons of Kedarnath disaster, the teams of National Disaster Management Institute (NIDM) had prepared their report in three parts, after visiting the disaster affected area twice and with the help of various expert agencies like Remote Sensing, Wadia Institute of Himalayan Geology, State Disaster Mitigation Centre and Geological Survey Department. In which 19 recommendations and warnings were given to learn lessons from Kedarnath disaster. In these too, hydropower projects were given more focus and it was said that due to hydropower projects, along with environmental experts, local community has always complained about flash floods, land subsidence, water sources drying up and public life getting affected, wildlife and environment getting polluted. Ignoring the danger from power projects, it was said in the report that environmental impact assessment should be mandatory for hydropower projects in sensitive Himalayan region like Uttarakhand. Detailed Project Report (DPR) of these projects should also have a clear plan for disposal of debris coming out from tunnels and other areas after cutting the mountains. In which there should be a clear mention of the proper place for debris disposal and the way to transport the debris to the disposal site and the dumping zone should be far away from the river area. It was said that a protective wall was necessary at the dumping site so that the debris does not flow during the rains? Because this debris causes rapid floods in the river and the direction of the river is deviated which also gives rise to landslides.

मुरादाबाद में प्रचंड गर्मी का वार... रात का तापमान पहुंचा 33 डिग्री, फिलहाल बारिश के आसार नहीं

मुरादाबाद- मुरादाबाद में गर्मी का कहर जारी है। सुबह से ही लू के थपेड़े लोगों को परेशान कर रहे हैं। जिले का अधिकतम तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच गया है। जून माह की रातों में रिकॉर्ड गर्मी पड़ रही है। 17 जून की रात सीजन की सबसे गर्म रात रही। तापमान 33 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक का कहना है कि बारिश न होने और पश्चिम दिशा से चल रही गर्म हवाओं की वजह से वातावरण में नमी सूख रही है। बढ़ोतरी हो रही है। जून माह मिलीमीटर बारिश होनी सिर्फ 1.1 मिलीमीटर विभाग द्वारा बार-बार व्यक्त किया जा रहा है। बूंदाबांदी ही हो सकी थी। लगातार पश्चिम दिशा से चिलचिलाती धूप और लू लोगों का सुकून छिन गया के बाद घर से बाहर लगते हैं। यह स्थिति देर रात है।मौसम वैज्ञानिकों के और पछुआ हवाओं के नमी कम हो गई। सोमवार 44.6 डिग्री सेल्सियस, डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

नमी 39 फीसदी थी, जो शाम को घटकर सिर्फ 17 फीसदी दर्ज की गई। हवा की गति पश्चिम किलोमीटर प्रति घंटा रही। न्यूनतम तापमान सामान्य से 6.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। पिछले तापमान में .7 डिग्री और अधिकतम तापमान में .6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। 25 मई से से अधिक रहा न्यूनतम तापमान-अधिकतम ही नहीं, बल्कि न्यूनतम तापमान भी 25 मई से हुआ है। अब तक 12 दिन ऐसे रहे हैं, जब न्यूनतम तापमान 29 डिग्री से अधिक रहा है। इनमें 25 मई को 29.8 डिग्री, 28 मई को 30 डिग्री, 29 मई को 29 डिग्री, 30 मई को 32.2 डिग्री, 31 जून को 29.7 डिग्री, 12 जून को 29.5 डिग्री, 13 जून को 30.3, 14 जून को 31 डिग्री, 15 जून 32.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। भीषण गर्मी होने की वजह भी वार्म नाइट है।

इसलिए गर्मी में बेतहाशा में अब तक 51.1 चाहिए थी, लेकिन अभी बारिश ही हो सकी है।मौसम बारिश होने का अनुमान लेकिन चार जून को हल्की इसके अलावा 23 मई से गर्म हवाएं चल रही हैं। के थपेड़ों की वजह से है। दिन में सुबह दस बजे निकलते ही लू के थपेड़े 12 बजे तक बनी रहती अनुसार बारिश न होने कारण वातावरण में को अधिकतम तापमान न्यूनतम तापमान 33 गया। वातावरण में सुबह दिशा से दस से 15 24 घंटे में न्यूनतम अब तक 12 दिन 290 सामान्य से अधिक बना मई को 29.5 डिग्री, 27 मई को 29 डिग्री, नौ को 31.8, 16 जून को पिछले सालों में छह से सात वार्म नाइट होती थीं, लेकिन इस बार यह तीन गुना हो गई हैं। 17 फीसदी नमी का मतलब है कि वातावरण एकदम सूखा है। जमीन से लेकर आसमान तक सब सूख गया है। मौसम विभाग का इस बार 15 दिन लू चलने का अनुमान था। अब तो पूरा महीना ही लू में होने का है। 18 जून को भी वार्म नाइट हो सकती है। - डॉ. आरके सिंह, मौसम वैज्ञानिक, पंतनगर विश्वविद्यालय

इन बातों का रखें ख्याल

- जंक फूड न खाएं
- ज्यादा मीठा व ज्यादा नमक वाला भोजन न लें
- डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों से परहेज करें
- घर का बना ताजा खाना खाएं
- फ्रिज में रखा बासी खाना भी परेशानी दे सकता है
- दही, छाछ, सलाद का प्रयोग खूब करें
- दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक बाहर न निकलें
- ओआरएस मिले पानी की बोतल साथ रख

वर्कशॉप में खड़ी हैं रोडवेज की 25 बसें, चलाने को नहीं मिल रहे चालक-परिचालक, यात्रियों को दिक्कत

मुरादाबाद-यूपी परिवहन निगम के मुरादाबाद परिक्षेत्र में करीब 500 चालकों और परिचालकों की कमी बनी हुई है। इसका खामियाजा लोगों को उठाना पड़ रहा है। वर्कशॉप में खड़ी बसों को चलाने के लिए चालक परिचालक नहीं मिल रहे हैं। चालकों और परिचालकों के अभाव में

मुरादाबाद और पीतलनगरी वर्कशॉप में आए दिन 25 से अधिक बसें खड़ी रहती हैं। बसें नहीं चलने से परिवहन निगम के राजस्व को घाटा तो होता ही है, इसके साथ ही यात्रियों को अपने गंतव्य स्थान तक जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।मुरादाबाद और पीतलनगरी डिपो से दिल्ली, लखनऊ, अमरोहा, रामपुर चंदौसी, हरिद्वार, देहरादून, धामपुर समेत विभिन्न रूटों पर रोडवेज की 150 से अधिक बसों का संचालन किया जाता है। सोमवार को कटघर स्थित मुरादाबाद और पीतलनगरी डिपो वर्कशॉप में परिचालकों और चालकों की कमी से 25 से अधिक बसें खड़ी थी। इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। ये बसें आए दिन वर्कशॉप में खड़ी रहती हैं क्योंकि इन बसों का संचालन करने का कोई नियम नहीं हैं। इनमें से कुछ ऐसी बसें हैं, जिनके चालक किसी दिन आते हैं तो किसी दिन नहीं आते हैं। चालक बसों को एक दिन चलाते हैं तो दूसरे दिन खड़ा करके चले जाते हैं। जिससे बसें खड़ी रहती हैं। परिवहन निगम के अनुसार मुरादाबाद परिक्षेत्र में 500 से अधिक चालकों और परिचालकों की कमी हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक ममता सिंह का कहना है कि चालकों और परिचालकों की भर्ती चल रही हैं। जल्द ही प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

भाजपा पदाधिकारियों ने प्रदेश उपाध्यक्ष को बताए हार के कारण, कहा- अधिकारी तक नहीं सुनते उनकी बात

मुरादाबाद-लोकसभा चुनाव में हार मिलने के बाद मुरादाबाद मंडल में पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें प्रदेश उपाध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों से इसके कारण जाने। उन्होंने सभी बातों को वरिष्ठ पदाधिकारियों के समक्ष रखने का आश्वासन दिया। मुरादाबाद मंडल में भाजपा की लोकसभा

में हुई हार की समीक्षा करने प्रदेश उपाध्यक्ष आए। पदाधिकारियों ने उनको बताया कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी समस्याओं को अनसुना कर देते हैं। किस प्रकार लोगों को अपनी तरफ खींचा जाएगा।भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर सिंह मुरादाबाद और नगीना लोकसभा की समीक्षा करने के लिए आए थे। इस दौरान मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि उनके प्रत्याशी बीमार थे। यह एक बड़ा कारण था, लेकिन पुलिस अधिकारी सही मामलों में उनकी सुनते नहीं थे।स्थनीय नेता काफी परेशान हो जाते थे। जब किसी का काम नहीं होगा तो वह भाजपा से कैसे प्रभावित होगा। छोटी छोटी समस्याओं को लेकर आए दिन वे शिकायत करते थे। देहात के एक पदाधिकारी ने कहा कि हारने के बाद भी क्षेत्र पर ध्यान देना चाहिए। सड़कों के खराब होने के बारे में कई बार बैठक में मुद्दा उठाया गया,लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने धैर्य बनाए रखा। अंदर की बातें बाहर नहीं आती थी। कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाने के लिए कोई उपाय नहीं था। पूरी बातों को सुनने के बाद प्रदेश उपाध्यक्ष ने इन मामलों को वरिष्ठ पदाधिकारियों के समक्ष रखने का आश्वासन दिया। बता दें कि मुरादाबाद लोकसभा चुनाव में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। योग दिवस और बलिदान दिवस मनाएं- भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम है। 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस है। दोनों कार्यक्रमों को कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ मनाएं। हार से मनोबल नहीं घटाना चाहिए। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा और संचालन महानगर महामंत्री श्याम विहारी शर्मा ने किया। महानगर महामंत्री ने कहा कि उन्होंने कोई समस्या नहीं सुनी है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया है। इस दौरान क्षेत्रीय महामंत्री (ब्रज क्षेत्र) नागेंद्र शिकरवार, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, लोकसभा प्रभारी डॉ. विशेष गुप्ता, केके मिश्रा, नत्थू कश्यप, चंदर प्रजापति सहित मंडलों के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

अमरोहा में पारा 47 डिग्री के पार.. भीषण गर्मी से हाहाकार, पंखे-कूलर भी नहीं दे रहे राहत

मुरादाबाद-अमरोहा का पारा हर दिन उछाल मार रहा है। सोमवार के बाद मंगलवार को तापमान तीन डिग्री बढ़कर 44 से 47 डिग्री पर पहुंच गया। वहीं, न्यूनतम तापमान भी 33 डिग्री रहा। जहां दस सालों में 17 जून कभी इतना गर्म नहीं रहा, वहीं इस सीजन का भी अब तक सबसे गर्म दिन रहा।दिन में सड़कें सूनी रहीं तो लोग चिलचिलाती धूप अब बेहाल हो रहे हैं। वह बारिश के में गर्मी लगातार पुराने रिकॉर्ड तोड़ती प्रकोप झेलना पड़ रहा है।आसमान से रही है। गर्म हवा और उमस लोगों की रही है। चिलचिलाती धूप और गर्म जारी है। ऐसे में लोग गर्मी से त्रस्त हो घरों में रुकना भारी साबित हो रहा है। राहत नहीं दे पा रहे हैं। उधर, रविवार मिजाज और तल्ख हो गया। तापमान गया। जिला कृषि अधिकारी बबलू 20 जून तक गर्मी ऐसे ही बनी रहेगी। में तापमान में कुछ कमी पसरा सन्नाटा- अमरोहा। गर्मी के

से बेचैन रहे। भीषण गर्मी से लोग लिए दुआ करने लगे हैं। जून माह जा रही है। हर दिन गर्मी का बरसती आग बदन को झुलसा परेशानी को और अधिक बढ़ा हवाओं का दौर भी सुबह से ही रहे हैं। गर्मी और उमस के बीच पंखे और कूलर भी लोगों को के बाद सोमवार को मौसम का 44 से बढ़कर 47 डिग्री पहुंच कुमार का कहना है कि अभी हालांकि, आने वाले दो तीन दिन जाएगी।सड़कों और बाजारों पर सितम के आगे सब कुछ थमा हुआ नजर आ रहा है। सोमवार को जोया रोड, टीपी नगर चौक, गांधी मूर्ति चौक, बंबू गढ़ चौक समेत अन्य जगहों पर आवाजाही बहुत कम रही। भीषण गर्मी से बचने के लिए लोग दोपहर में घर से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं। किसान भी हैं परेशान- भीषण गर्मी के बीच बारिश न होना किसानों पर भारी पड़ रहा है। इन दिनों खेतों में गन्ने के साथ ही सब्जी की अनेक फसलें खड़ी हैं। लंबे समय से बारिश नहीं हो रही है। ऐसे में फसलों को सूखने से बचाने के लिए किसानों को हर दूसरे दिन सिंचाई करनी पड़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

आबकारी विभाग की प्राइवेट कार पर लगा हूटर, लिखा था उत्तर प्रदेश सरकार

मुरादाबाद- मुख्यमंत्री के वीआईपी कल्चर पर रोक लगाने के आदेश के बाद यातायात पुलिस एक्शन में आ गई है। ऐसे वाहनों के विरुद्ध पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। अब गाड़ी में हूटर, नीली बत्ती और काली फिल्म लगाने या निजी वाहन पर उप्र सरकार लिखे वाहन वालों को खोजकर उनके

विरुद्ध कार्रवाई शुरू हो गई है। इसके लिए पुलिस 25 जून तक अभियान चलाकर कार्रवाई तेज की है।इसी क्रम में सोमवार को महानगर में 25 स्थलों पर वाहनों की जांच हुई। फव्वारा चौराहा पर खुद प्रभारी निरीक्षक यातायात अनुराधा सिंघल व उनकी टीम में ट्रैफिक दरोगा परवीन, हेड कांस्टेबल जयवीर सिंह व राजकुमार ने अभियान चलाया। यहां पर करीब एक दर्जन वाहनों से हूटर, नीली बत्ती और काली फिल्म उतरवाई हैं। निजी वाहन पर उप्र सरकार लिखी गाड़ियों का चालान किया है।इसमें आबकारी विभाग की भी एक गाड़ी (यूपी-24-एएम-6123) के विरुद्ध चालान की कार्रवाई हुई है। इस पर हूटर लगा था और उप्र प्रदेश सरकार भी लिखा था, जबकि यह प्राइवेट गाड़ी है। प्रभारी निरीक्षक यातायात ने बताया कि अभियान के क्रम में सोमवार को महानगर में 25 ट्रैफिक दरोगा ने वाहनों में वैध/अवैध तरीके से प्रयोग हो रहे हूटर, नीली बत्ती और काली फिल्म और निजी वाहन पर उप्र सरकार लिखे वाहन को जांचकर कार्रवाई की है।

साहब मैंने दूसरी शादी कर ली: कोतवाली पहुंची विवाहिता, कहा- मैं गुमशुदा नहीं हूं, घरवालों ने गलत रिपोर्ट लिखवाई

मुरादाबाद- रामपुर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक विवाहिता कोतवाली पहुंच गई। उसने बताया कि पति से तंग आकर उसने दूसरे शादी कर ली है। वह गुमशुदा नहीं है। दो बच्चों की मां कोतवाली पहुंच गई और उसने पुलिस को बताया कि वह गुमशुदा नहीं है। महिला ने कहा कि पति से परेशान होकर उत्तराखंड निवासी अपने एक परिचित से शादी कर ली है। वह उसी के पास रह रही है। महिला ने गुमशुदगी को गलत बताया।पुलिस ने मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र में उत्तराखंड सीमा से सटे एक गांव निवासी व्यक्ति ने कुछ दिन पूर्व रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कहा था कि उसकी विवाहित पुत्री रहस्यमय ढंग से लापता हो गई है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी थी।पुलिस सूत्रों के अनुसार सोमवार को महिला कोतवाली पहुंची और उसने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने कोतवाली में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला ने कहा कि वह गुमशुदा नहीं है। पति और सुसराल वालों से परेशान होकर उत्तराखंड निवासी अपने परिचित से शादी कर ली है और उसी के साथ रह रही है। महिला ने पुलिस को यह भी बताया कि वह एसपी रामपुर को भी एक प्रार्थनापत्र देकर अनुरोध कर चुकी है कि वह बालिग है। वह अपने दूसरे पति के साथ रहना चाहती है। इसके बाद महिला अपने घर चली गई। कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि मामले की तहकीकात की जा रही है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

तालाब में डूबकर दो बच्चों की मौत, इकलौते भाई थे; बहनों से छूट गईं राखी बांधने वाली कलाईयां

तालाब में डूबकर दो बच्चों की मौत के बाद गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। दोनों इकलौते भाई थे। उनके जाने के साथ ही बहनों से राखी बांधने वाली कलाईयां भी छूट गईं।

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में तालाब में डूबकर दो बच्चों की मौत से घरवालों का बुरा हाल है। उनके साथ बहनों के हाथ से राखी बांधने वाली कलाइयां भी हमेशा के लिए छूट गईं। मृतक यश और अंकित की असमय मौत के बाद बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मंगलवार को गमगीन माहौल में दोनों का अंतिम संस्कार किया गया है।घटना भोगांव थाना क्षेत्र के महानंदपुर धुबैया गांव की है। गांव निवासी 12 साल का अंकित अपने साथी आठ साल के यश यादव व दो अन्य बच्चों के साथ खेलने के लिए गया था। तालाब के पास खेलते समय सभी दोस्त तालाब में नहाने के लिए उतर गए थे। इस दौरान गहराई में चले जाने की वजह से अंकित और यश की जान चली गई। हादसे में माता पिता के इकलौते पुत्रों की मौत के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। माता पिता व अन्य परिजन के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। सोमवार की शाम यश का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। वहीं अंकित का अंतिम संस्कार मंगलवार की सुबह सेना में कार्यरत चाचा के आने के बाद गमगीन माहौल में किया गया। अंकित और यश अपने माता पिता और बहनों के लाड़ले थे। इकलौते होने की वजह से बहनें भी उनसे बेहद प्रेम रखती थीं। दोनों की मौत के बाद अब बहनों के हाथ से भाइयों की कलाई हमेशा के लिए छूट गई है। इसका दर्द बहनों की आंखों से बहते हुए आंसू बयां करते दिख रहे हैं।

अयोध्या में हार के बाद अब उप चुनाव की तैयारी, मिल्कीपुर सीट से भाजपा के कई दावेदार सामने आए

भाजपा की तरफ से टिकट के दावेदारों में पूर्व विधायक से लेकर जिला पंचायत सदस्य और ग्राम प्रधान तक शामिल हैं। उम्मीदवारी के लिए पासी समाज से सबसे ज्यादा नाम सामने आ रहे हैं।मिल्कीपुर

उप चुनाव के लिए भाजपा के कई दावेदार सामने आ गए हैं। इनमें पूर्व विधायक से लेकर जिला पंचायत सदस्य और प्रधान तक शामिल हैं। पासी समाज से सबसे ज्यादा नाम सामने आए हैं। यदि सपा ने भी पासी समाज से उम्मीदवार उतारा तो किसी अन्य जाति के प्रत्याशी पर विचार किया जा सकता है।अवधेश प्रसाद के फैजाबाद लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित होने के बाद यहां अब उप चुनाव होना तय है। अब निर्वाचन आयोग को उपचुनाव की घोषणा करनी है। इसी के साथ लोकसभा चुनाव में हार का सामना करने वाली भाजपा में इस सीट पर एक बार कब्जा जमाने के मकसद से हलचल शुरू हो गई है। पूर्व विधायक रहे बाबा गोरखनाथ अपनी उम्मीदवारी तय मानकर चल रहे हैं। यह अलग बात है कि पार्टी ने अभी कुछ फाइनल नहीं किया है। वैसे भी गोरखनाथ को वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद ने 12,923 वोटों से पराजित किया था।इस लोकसभा चुनाव में गोरखनाथ लल्लू सिंह को इस सीट पर नहीं जिता सके। भाजपा को यहां पर 7,733 मतों से हार का सामना करना पड़ा था। गोरखनाथ वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में 28,076 वोटों से जीतकर पहली बार विधायक चुने गए थे। इस बीच गोरखनाथ के अलावा टिकट के दावेदारों के रूप में जो नाम सामने आए हैं, उनमें पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी, नीरज कनौजिया, आरएसएस की पृष्ठभूमि से जुड़े रहे जिला महामंत्री कांशीराम रावत, राधेश्याम त्यागी, चंद्रभानु पासवान, लक्ष्मी रावत और जिला पंचायत सदस्य बबलू पासी प्रमुख हैं।इसमें से कई पासी समाज से आते हैं। इस समाज से कई दावेदारों के चलते पार्टी के लिए एक नाम का चयन करना थोड़ा मुश्किल होगा। ऐसे में किसी अन्य बिरादरी से जुड़े चेहरे को भी आजमाया जा सकता है। फिलहाल संगठन ने सभी नामों पर विचार करते हुए दावेदारों की जीत और हार की संभावनाओं को खंगालना शुरू कर दिया है।

भगतपुर में दो समुदायों के बीच भिड़ंत, 12 आरोपी गिरफ्तार, 19 के खिलाफ दर्ज की गई रिपोट

भगतपुर के उदमावाला में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद पथराव हो गया। हंगामा मचने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। दोनों पक्षों के 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। भगतपुर के गांव उदमावाला में गैस भट्टी के लीकेज होने पर विवाद हो गया। कुछ देर बाद मारपीट और पथराव भी हुआ। जिसमें तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर एसपी देहात और सीओ भी मौके पर पहुंचे। मामले में पुलिस ने 13 नामजद और छह अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।वहीं 12 आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। भगतपुर थाना क्षेत्र के गांव

उदमावाला निवासी महेंद्र सिंह ने बताया कि उसकी गांव में ही टेंट की दुकान है। सोमवार को गांव उदमावाला निवासी इलियास उसकी दुकान से गैस की भट्टी किराए पर लेकर गया था।सोमवार शाम करीब 7–30 बजे इलियास कुछ लोगों के साथ उसकी दुकान पर वापस आया और गैस भट्टी के लीकेज होने की बात कहने लगा। आरोप है कि इसके बाद आरोपी उसके साथ मारपीट करने लगा। महेंद्र ने बताया कि शोर सुन उसकी दुकान पर काम करने व उसके कुछ साथी भी मौके पर पहुंचे और उसे बचाने लगे। आरोपियों ने उसे और उसके पक्ष के लोगों को लोहे के पाइप व लाठी-डंडों से जमकर पीटा। आरोप है कि आरोपियों ने पथराव भी किया। मारपीट में जयपाल, कलावती और महेंद्र घायल हो गए। सूचना पर भगतपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने महेंद्र की तहरीर पर आरोपी इलियास, भूरा, इरफान, अरमान, मोहम्मद इबदेशाम, फकीरा, महफूज, मुस्लिम, राशीद, मुनाजिर, अनस, नदीम, वसीम और करीब छह अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं दो समुदाय के बीच मारपीट होने की सूचना पर एसपी देहात और सीओ भी मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

संभल एसपी की बड़ी कार्रवाई... गुन्नौर थाना प्रभारी समेत 39 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर, छह चौकी इंजार्च भी शामिल

संभल के पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 39 पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। कार्रवाई की जद में 13 दरोगा भी आए

हैं। गुन्नौर थाना प्रभारी संजीव कुमार बालियान को पुलिस अधीक्षक ने लाइन हाजिर कर दिया है। इनके अलावा छह चौकी प्रभारी समेत 13 दरोगा और 25 सिपाही लाइन हाजिर किए हैं।पुलिस अधीक्षक की इस बड़ी कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। जिन पुलिसकर्मी को लाइनहाजिर किया गया है उनकी बड़ी लापरवाही सामने आई है। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई है।गुन्नौर थाना प्रभारी के लाइन हाजिर होने को लेकर चर्चा है कि गांव भोजराजपुर में हुई महिला की हत्या में गाज गिरी है। वहीं चौकी प्रभारियों की कार्यशैली संतोषजनक नहीं होने के चलते कार्रवाई किए जाने की चर्चा हो रही है। चौधरी सराय पुलिस चौकी के प्रभारी पर राजनीतिक दलों ने भी कई बार पक्षपात पूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर चौकी के नजदीक ही अवैध कार स्टैंड संचालित होता रहा और कार्रवाई सोमवार को तब हुई जब अधिकारियों ने निर्देश किए। चर्चा है कि इन्हीं दो कारण के चलते चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर किया गया है। इसी तरह की लापरवाही के चलते अन्य चौकी प्रभारी व थानों में तैनात दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की गई है। वहीं दूसरी तरफ हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल शिकायतों के आधार पर लाइन हाजिर किए गए हैं। हालांकि पुलिस अधीक्षक ने लाइन हाजिर की इस कार्रवाई को कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत बनाए के लिए किए जाने की बात कही है।

ये है ठकठक गैंग की खतरनाक महिला, साथी के साथ मिलकर व्यापारी की कार से उड़ाए एक करोड़ के हीरे; अब धरे गए

ताजनगरी में व्यापारी की कार से एक करोड़ के हीरे पार करने वाले दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। दोनों ठकठक गैंग के सदस्य हैं। इनके गैंग में कुल 13 सदस्य हैं। उत्तर प्रदेश के आगरा में व्यापारी के कार से हीरे और जेवरात उड़ाने वाले ठकठक गैंग के दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। इनको मंगलवार सुबह साउथ दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से करीब 60 लाख रुपए मूल्य के हीरे जड़े आभूषण बरामद हुए हैं। इनसे पूछताछ की जा रही है।आरोपियों ने 15 जून की रात मदिया कटरा तिराहा पर व्यापारी की कार से 36 हीरा जड़ित जेवरात से भरा बैग उड़ाया था। 400 ग्राम सोने में 100 कैरट के हीरे जड़े थे। बैग में 1.50 लाख रुपए नकद थे। साउथ दिल्ली पुलिस ने गैंग की गीता और कुणाल नामक दो सदस्यों को पकड़ा है। बताया गया कि गीता (40) और कुणाल (22) दोनों दिल्ली के रहने वाले। दोनों ने आगरा में वारदात की बात कबूली है। कुणाल पहले इस तरह की पांच वारदातों को अंजाम दे चुका है। डीसीपी साउथ

दिल्ली अंकित चौहान ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। इनके गैंग में 13 सदस्य हैं। आगरा पुलिस को सूचना भेज दी गई है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दामाद के निधन के बाद बेटी की ससुराल में रह रहे पिता की कुएं में गिरकर मौत

बेटी की ससुराल में रह रहे पिता की कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।बेटी की ससुराल में रह रहे वृद्ध पिता की पानी भरते समय कुएं में गिरकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है। वृद्ध अपने दामाद के निधन के बाद बेटी के साथ पांच साल से ससुराल में ही रहते थे। थाना अजनर के थुरट गांव निवासी हिर्रा (78) ने अपनी बेटी कमलेश कुमारी की शादी थाना कबरई के मकरबई गांव निवासी तारापत से की थी। आठ साल पहले उसके दामाद की मौत हो गई थी। बेटी के ससुराल में अकेले रहने पर करीब पांच साल से पिता उसके साथ रह रहे थे। बेटी के अनुसार सोमवार की रात पिता घर के पास स्थित कुएं से पानी भरने गए थे। तभी पैर फिसलने से कुएं में गिर गए। इससे उनकी मौत हो गई। काफी देर तक घर न पहुंचने पर परिजनों ने खोजबीन की। तब कुएं में देखा तो शव उतराता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उधर, परिजन शव को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए पैतृक गांव थुरट ले गए।

धड़ल्ले से चल रहा था फर्जी क्लीनिक, टीम ने मारा छापा तो मरीज को चढ़ रही ती ड्रिप; किया सील

एटा में फर्जी क्लीनिक धड़ल्ले से चल रहा था। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापा मारा तो मरीज को ड्रिप चढ़ाई जा रही थी।

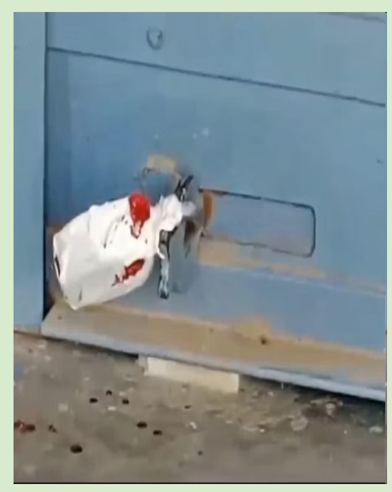

मरीज को छुट्टी दिलाकर क्लीनिक सील कर दिया गया। उत्तर प्रदेश के एटा में जैथरा ब्लॉक क्षेत्र के गांव सहोरी में अपंजीकृत क्लीनिक संचालित था। लोगों द्वारा डीएम से उसकी शिकायत की गई। शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी की। जांच के बाद उसे सील कर दिया गया। बताया कि क्लीनिक अपंजीकृत था। इसके अलावा संचालक चिकित्सा शिक्षा की डिग्री नहीं दिखा सका। इस पर मरीज की छुट्टी कराने के बाद क्लीनिक को सील कर दिया गया। डिप्टी सीएमओ डॉ. सर्वेश कुमार ने बताया गांव सहोरी में अपंजीकृत क्लीनिक की डीएम से शिकायत हुई थी। मंगलवार को जांच के लिए टीम क्लीनिक पर पहुंची। वहां एक मरीज को ड्रिप चढ़ती मिली। संचालक कोई कागजात नहीं दिखा सका।

आउटसोर्स से भर्ती कर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही बीजेपी सरकार - छात्र नेता फरहान खान

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली - रिठौरा।बीजेपी सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। निजी कंपनियों और ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए आउटसोर्स के माध्यम से नौकरी में खाली पड़े पदों को भरने का षड्यंत्र किया जा रहा है। समाजवादी छात्र सभा के युवा नेता फरहान खान ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने पहले ही सचेत किया था कि भारतीय

जनता पार्टी की सरकार हर नौकरी आउटसोर्स पर कर देगी, अब खबर भी आ गई कि यूपी पुलिस में आउटसोर्स पर भर्तियां होने जा रही है। कहा कि आउटसोर्स से निजी कंपनियों को लाभ पहुंचता है और युवाओं को सिर्फ धोखा मिलता है। युवाओं का भविष्य बर्बाद करने और आरक्षण न देने के लिए भाजपा सरकार यह षड्यंत्र कर रही है। लोकतंत्र सबसे बड़ी ताकत है, भाजपा ने कभी भी इसका सम्मान नहीं किया। भाजपा ने किसानों और नौजवानों को धोखा दिया है। वादा किया पर किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। वर्षों से भर्ती नहीं होने के कारण सभी विभागों में भारी संख्या में पद रिक्त हैं, लेकिन बीजेपी सरकार रोजगार देने की बजाय जुमलेबाजी कर रही है। नौजवानों की एक तिहाई जिंदगी बेकार हो गई है। रोटी-रोजगार की कोई व्यवस्था नहीं है। तमाम हो-हल्ले के बावजूद निवेश के नाम पर फूटी कौड़ी नहीं आई। देश में विकासकार्यों के लिए समाजवादियों की प्रशंसा हो रही है।

बिजली नहीं आने से नाराज किसानों ने जेई को दौड़ाकर पीटा, लाठी व ईंट-पत्थरों से फोड़ दिया सिर, वीडियो वायरल

मुरादाबाद के महमूदपुर माफी में कम बिजली मिलने से नाराज किसानों ने जेई को जमकर पीटा दिया। इस दौरान चले ईंट-पत्थर से जेई के सिर पर गंभीर चोट लगी है। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसका वीडियो वायरल हो गया है।नगर पंचायत महमूदपुर माफी में मंगलवार दोपहर भीषण गर्मी में कम बिजली मिलने से नाराज किसानों ने अवर अभियंता जयवीर सिंह पर लाठियों और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के समय जेई महमूदपुर माफी में चेकिंग कर रहे थे। इस बीच किसान अपनी बिजली की समस्या लेकर पहुंचे थे। किसानों का कहना था कि बिजली नहीं मिलने से खेतों में फसलों की सिंचाई नहीं हो रही है। फसल सूखने के कगार पर आ गई है।जेई ने किसानों से कहा कि फाल्ट की वजह से बिजली नहीं आ रही है यह सुनते ही किसान भड़क उठे। इसके बाद कुछ लोगों ने जेई से लाठियों से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान ईंट-पत्थर से भी हमला किया गया। इससे जेई का सिर फट गया और खून बहने लगा। हंगामे के दौरान बमुश्किल बीचबचाव हो सका। मारपीट में दो किसानों के भी चोटें आई हैं। मैनाठेर पुलिस ने घायल जेई को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा है। जेई के साथ मारपीट की जानकारी पर संभल डिवीजन के अधिशासी अभियंता और एसडीओ ने जेई से बात की। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। वहीं मैनाठेर कोतवाल का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। हमलावरों की पहचान की जा रही है। किराया मांगने पर रोडवेज बस के परिचालक को पीटा मैनाठेर थाना क्षेत्र में किराया मांगने पर रोडवेज बस के परिचालक को कुछ लोगों ने पीट कर घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। रोडवेज की बस के परिचालक शिव कुमार ने मैनाठेर थाने में दी तहरीर में बताया कि रविवार रात करीब आठ बजे बस मुरादाबाद से संभल के लिए जा रही थी। बस में 56 यात्री सवार थे। शानू नाम का यात्री ताहरपुर के लिए सवार हुआ था। रास्ते में परिचालक ने शानू से किराया मांगा। आरोप है कि शानू ने किराया देने से इन्कार कर दिया और दबंगई दिखाते हुए गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान उसने फोन कर अपने साथियों को बुला लिया था। ताहरपुर बाजार के सामने बस को रुकवा लिया। इसके बाद उसे बस से उतार कर मारपीट की गई। यात्रियों से भी अभद्रता की। मैनाठेर पुलिस ने परिचालक शिव कुमार की तहरीर पर आरोपी शानू और नौ अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर किया गया।एसपी देहात संदीप कुमार मीना ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज एक आरोपी शानू को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य की तलाश की जा रही है।

आसमान में गुम हुए या धरती निगल गई: आखिर कहां गए 22 ऊंट? अब पुलिस ने तैयार कर दी नई पटकथा

2019 में राजस्थान से 28 ऊंट खरीदकर लाए गए थे। पुलिस ने 22 ऊंटों को कुर्बानी के लिए प्रतिबंधित बताकर पकड़ लिया था, लेकिन आज तक भी उन ऊंटों को कुछ पता नहीं चल सका है।केस खत्म और ऊंट हजम की पटकथा पुलिस ने लिख दी है। पांच साल से 22 ऊंटों की वापसी के लिए कानूनी लड़ाई लड़ने वाले भी मालिकाना हक में फंस गए। सिटी मजिस्ट्रेट ने दोनों लोगों को

नोटिस भेजकर 19 जून तक जवाब मांगा है कि ऊंटों के मालिकाना हक के साक्ष्य प्रस्तुत करें।2019 में राजस्थान से 28 ऊंट खरीदकर लाए गए थे। बकरीद पर कुर्बानी के लिए 6 ऊंटों की बिक्री हो चुकी थी, जबकि 22 ऊंटों को पुलिस ने उनकी कुर्बानी पर प्रतिबंध होना बताकर पकड़ लिया था। लिसाड़ीगेट थाना पुलिस ने उक्त ऊंटों को पूर्व सांसद मेनका गांधी की संस्था पीपुल फॉर एनिमल सोसाइटी के एक सदस्य की पुलिस द्वारा सुपुर्दगी में देना बताया।ऊंट मालिक ने पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाई। ऊंट लेने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पांच साल कानूनी लड़ाई लड़ी। कोर्ट ने मेरठ सिटी मजिस्ट्रेट को आदेश कर दिया कि ऊंट वापस कराए जाएं। सिटी मजिस्ट्रेट ने लिसाड़ी गेट पुलिस को नोटिस भेजकर ऊंटों की तलाश और साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश दे दिए। अभी मामला चल ही रहा था कि कोर्ट से एक और नोटिस सिटी मजिस्ट्रेट के पास पहुंच गया। सिटी मजिस्ट्रेट अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उस्मान और अनस नाम के दो व्यक्ति सभी ऊंटों पर अलग-अलग मालिकाना हक बता रहे हैं। दोनों ने कोर्ट में याचिका लगा रखी है। ऊंट किसके हैं, पहले यह जांच होना अनिवार्य है। मामले की अगली सुनवाई हाईकोर्ट में हो, उससे पहले सिटी मजिस्ट्रेट ने उस्मान और अनस को नोटिस भेज दिया और 19 जून (तीन सप्ताह का समय) तक अपने अपने मालिकाना हक के साक्ष्य प्रस्तुत करने की बात कही।पुलिस भी दिल्ली और राजस्थान में ऊंटों की तलाश में गई थी। ऊंटों को सुपुर्दगी में ले जाने वाले युवक ने पुलिस को बताया है कि सभी ऊंटों की मृत्यु हो चुकी है। जिसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी उन्होंने मेरठ पुलिस को सौंप दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर केस खत्म करने की पटकथा तैयार कर ली। 22 ऊंटों पर दो लोगों ने अलग-अलग अपना मालिकाना हक जताया है, जिसके चलते दोनों लोगों को नोटिस भेजा है कि साक्ष्य के साथ बताएं कि ऊंट का असली मालिक कौन है। पुलिस द्वारा ऊंटों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ही आ गई तो केस खत्म हो जाएगा। हाईकोर्ट कोर्ट में जांच रिपोर्ट भेजी जाएगी। -अनिल कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट

रेल रोको आंदोलन के हीरो व मीरा भायंदर की काया पलटने वाले गौतम जैन हुआ देहांत

क्यूँ न लिखूँ सच

रेल रोको आंदोलन के हीरो व मीरा भायंदर की काया पलटने वाले गौतम जैन का कल सोमवार को भायंदर ईस्ट में देहांत हो गया वह 78 वर्ष के थे और कुछ समय से बिमार चल रहे थे। फ़रवरी 5,1985, को इन्होंने महावीर अपार्टमेंट तलाब रोड के साथियों के साथ संघर्ष सेवा समिति बनाई व भायंदर के लिए लोकल ट्रेन बढ़ाने के लिए एक फरवरी 1985 से भायंदर स्टेशन पर भूख हड़ताल शुरू की। चार दिन जब कुछ न हुआ देख कर 5 Feb को सबसे पहले दिल्ली से आई राजधानी E&press को रोका ।रोकने पर दुखी जनता ने पत्थरबाजी चालू कर दी तो पुलिस ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई। मौत के बाद, जो रेलवे कहता था कि उनके पास रेल गाड़ियां नहीं हैं , ने दो घंटे में छः गाडियां चालू कर दीं !!! इस आंदोलन में जैन व उनकी पत्नी को भी गोली लगी थी आंदोलन में PL Chaturvedi SSRaju Rohit अन्य हजारों लोगों ने उनका साथ दिया था इस आंदोलन के बाद, सैंकड़ों दूसरे आंदोलन जैसे, पीने के पानी, रोड, स्कूलों के लिए आंदोलन शुरू है गए व गौतम जैन को नाम मिला आंदोलन का पितामह मगर आज वह पितामह नहीं रहे। लेकिन आन्दोलनों की शुरुआत करने वाले सोमवार को हम सबको छोड़कर चल दिए उन्होंने बीपी रोड भायंदर ईस्ट पर रेलवे में शहीदों का स्मारक बनाया जहां हर 5 फरवरी सुबह जैन जी अपने साथियों के साथ रेलवे आंदोलन में हुए शहीदों को श्रद्धांजलि देते थे।

भीषण गर्मी में एसी चोरी: छत के रास्ते फ्लोर मिल में घुसे थे चोर, दो लाख रुपये का सामान चुरा ले गए

भीषण गर्मी में चोर भी सक्रिय है। बदायूं की प्रीत विहार कॉलोनी में दो दिन में चोरी की यह दूसरी घटना हुई है। सोमवार की रात चोरों ने फ्लोर मिल को निशाना बनाया। चोर मिल में रखे एसी समेत काफी सामान चुरा ले गए। बदायूं के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की प्रीत विहार कॉलोनी में सोमवार रात चोरों ने फिर वारदात को अंजाम दिया। इस बार एक फ्लोर मिल को निशाना बनाया गया। चोर छत के रास्ते फ्लोर मिल में घुस गए और एसी समेत करीब दो लाख रुपये का सामान चुरा ले गए। इसी कॉलोनी में रविवार दोपहर एक घर में चोरी हुई थी। सीढ़ी लगाकर घर में चोर जेवर और नकदी चुरा ले गए थे। बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव भरतपुर निवासी अमित राठौर और सत्यम राठौर की प्रीत विहार कॉलोनी में फ्लोर मिल है। सोमवार को ईद की छुट्टी थी, जिससे अमित अपने काम से बरेली चले गए और वहीं से अपने गांव निकल गए। सत्यम भी ताला लगाकर चले गए थे। मंगलवार सुबह सत्यम फ्लोर मिल पहुंचे तो उसमें सारा सामान फैला हुआ पड़ा था। कीमती सामान गायब था। फ्लोर मिल से पांच हॉस पॉवर की एक मोटर, दो सिलिंडर, एक एसी, कॉपर का पाइप और करीब 50 हजार रुपये चोरी हो गए। उन्होंने बताया कि चोर छत के रास्ते फ्लोर मिल में घुसे थे। उनकी सूचना पर थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

साथा चीनी मिल: घोटाले में गोदाम कीपर सहित दो के खिलाफ रिपोर्ट, 35 लाख की चीनी बंदरों द्वारा चट करने का मामला

ऑडिट जांच में चीनी के अंतिम स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया। एक अप्रैल से अक्तूबर 2023 तक चीनी के स्टॉक का मिलान तो मिला, लेकिन फरवरी 2024 में स्टॉक 1538.37 था, लेकिन मार्च माह में घटकर 401.37 क्विंटल ही रह गया । कर्मचारियों ने स्टॉक में रखी करीब 1137 क्विंटल सफेद चीनी को बंदरों द्वारा खा लेने एवं कुछ चीनी के बारिश में खराब होने की बात कही थी।अलीगढ़ की दि किसान सहकारी साथा चीनी मिल में 35.24 लाख की करीब 1137 क्विंटल चीनी के बंदरों द्वारा चट कर लिए जाने के प्रकरण में कारखाना प्रबंधक ने 17 जून को गोदाम कीपर समेत दो के खिलाफ थाना जवां में अमानत में खयानत का मुकदमा दर्ज कराया गया है।मिल में लाखों की चीनी के घोटाले का मामला प्रकाश में आने पर शासन स्तर से जांच कमेटी गठित की गई थी । जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा ने दि किसान सहकारी चीनी मिल साथा का ऑडिट किया। स्टॉक के भौतिक सत्यापन में गोदाम में काफी अंतर मिला था। इस मामले में गोदाम कीपर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सके ।जांच कमेटी ने प्रभारी गोदाम कीपर महीपाल सिंह एवं गोदाम कीपर गुलाब सिंह से स्पष्टीकरण मांगा था। अब इस मामले में थाना जवां में कारखाना प्रबंधक महेश शर्मा ने थाना जवां में अमानत में खयानत के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इसकी गहनता से विवेचना कराकर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी । जांच में प्रबंधक, लेखाधिकारी समेत छह मिले थे दोषी- सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी विनोद कुमार सिंह को जांच रिपोर्ट में मिल से करीब 1137 क्विंटल चीनी जिसकी बाजार में 35.24 लाख आंकी गई। ऑडिट रिपोर्ट में वर्तमान प्रधान प्रबंधक राहुल कुमार यादव, मुख्य लेखाधिकारी ओमप्रकाश, प्रबंधक रसायनविद एमके शर्मा, लेखाकार महीपाल सिंह, प्रभारी सुरक्षा अधिकारी दलवीर सिंह, गोदाम कीपर गुलाब सिंह को दोषी माना गया था। ऐसे में केवल दो शुगर गोदाम कीपर के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कराया जाना तमाम सवालिया निशान छोड़ रहा है। यह था मामला- चीनी मिल के जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षक विनोद कुमार सिंह ने 31 मार्च 2024 तक की ऑडिट जांच के दौरान चीनी के अंतिम स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया। एक अप्रैल से अक्तूबर 2023 तक चीनी के स्टॉक का मिलान तो मिला, लेकिन फरवरी 2024 में स्टॉक 1538.37 था, लेकिन मार्च माह में घटकर 401.37 क्विंटल ही रह गया । इसका हिसाब मांगने पर चीनी मिल से जुड़े अफसरों व कर्मचारियों ने स्टॉक में रखी करीब 1137 क्विंटल सफेद चीनी को बंदरों द्वारा खा लेने एवं कुछ चीनी के बारिश में खराब होने की बात कही थी। प्रधान प्रबंधक राहुल कुमार यादव ने चीनी मिल से करीब 35 लाख रुपये की 1137 क्विंटल चीनी के गायब हो जाने के मामले में प्रभारी शुगर गोदाम एवं कीपर गुलाब सिंह को चीनी स्टॉक रजिस्टर, वास्तविक स्टॉक में अंतर पाए जाने पर प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया। जिला आबकारी अधिकारी नरेंद्र कुमार सोनकर के नेतृत्व में जांच में शीरे का टैंक खाली व बिल्कुल सूखा मिला। एक बूंद भी शीरा नहीं मिला। मिल 2021 में बंद हो चुकी है एवं शीरे का अंतिम वितरण 07 जुलाई 2022 को किया जा चुका है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9277776991

संक्षिप्त समाचार

कांधला में हाइवे पर दुर्घटना में दो लोगों मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। कांधला कस्बे के दिल्ली सहारनपुर हाईवे पर दो अलग अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम को भेज दिया। सोमवार की देर रात्रि राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी कि कस्बे के दिल्ली सहारनपुर रोड पर स्थित द गोल्ड पब्लिक स्कूल के निकट अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक 32 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई है। पुलिस ने मृतक की पहचान राजस्थान के जयपुर निवासी कमल के रूप में हुई। मृतक कमल देर रात्रि पैदल ही कहीं जा रहा था। इसी बीच अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे कमल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं दूसरी और देर रात्रि क्षेत्र के गांव पंजोखरा के निकट पैदल जा रहे 40 वर्षीय व्यक्ति को सेंट्रो कार ने टक्कर मार दी। कार की टक्कर लगने से व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया और थाने ले आई। मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घर में घुसकर मां-बेटे पर फायरिंग, बाल-बाल बचे

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। कैराना कस्बे के मोहल्ला आलखुर्द में तीन युवकों ने घर में घुसकर गाली गलौच करते हुए मां-बेटे पर फायरिंग कर दी। मां-बेटे ने कमरें में घुसकर जान बचाई। सूचना पर पुलिस भी पहुंची और जानकारी की। कैराना कस्बे के मोहल्ला आलखुर्द निवासी साजिद

ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 17 जून सोमवार की शाम को वह बाजार में खरीदारी करने गया था। घर में उसकी पत्नी वे बेटा थे। इस दौरान तीन युवक उसके घर पहुंचे और गाली गलौच करते हुए फायरिंग कर दी। उसकी पत्नी व बेटे ने कमेर में घुसकर जान बचाई। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने घटना की जानकारी ली। वहीं मोहल्लेवासी भी गोली की आवाज सुनकर इकट्ठा हो गए थे। पीड़ित ने कार्रवाई की मांग की।

एकेटीयू के खाते से साइबर अपराधियों ने पार कर दिए 120 करोड़ रुपये, सात गिरफ्तार, 119 करोड़ बरामद

साइबर अपराधियों ने एकेटीयू के खाते से 120 करोड़ रुपये पार कर दिए। हालांकि, पुलिस ने अभी तक 119 करोड़ रुपये बरामद कर लिए हैं। सात को गिरफ्तार किया गया है।लखनऊ एकेटीयू विश्वविद्यालय के खाते से साइबर अपराधियों ने 120 करोड़ रुपये की रकम पार कर दी। पूरी रकम एक ट्रस्ट के खाते में ट्रांसफर की गई। साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज की गई। टीम ने यूपी और गुजरात से सात साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रेस वार्ता कर वारदात का खुलासा करेगी।साइबर क्राइम थाने में एकेटीयू की तरफ से 12 जून को एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जिसमें बताया गया था विवि के यूनियन बैंक खाते से 120 करोड़ रुपये पार किए गए हैं। तफ्तीश में सामने आया कि गुजरात की एक ट्रस्ट के खाते में ये पूरी रकम ट्रांसफर की गई है।तीन टीमों ने मिलकर सूरत से मास्टरमाइंड को दबोचा और फिर एक के बाद एक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। 119 करोड़ रुपये की रिकवरी भी की। अपराधी सिर्फ एक करोड़ रुपये ही खर्च कर पाए थे। पुलिस ने गिरीश चंद्रा, शैलेश रघुवंशी, जोशी देवेंद्र प्रसाद, केके त्रिपाठी, दस्तगीर आलम, उदय पटेल और राजेश बाबू को गिरफ्तार किया है।

आरोप: ब्लॉक प्रमुख पूजा दिवाकर बोलीं, मेरी हत्या करा सकते हैं पूर्व प्रमुख, भाजपा विधायक के बाद सीडीओ को घेरा

धनीपुर ब्लॉक प्रमुख पूजा दिवाकर ने भाजपा विधायक व पूर्व ब्लॉक प्रमुख पर आरोप लगाए थे। कहा था कि अब तक वे कमीशनखोरी और अपने चहेते ठेकेदारों को काम दिलाते रहे। उनकी बात मानने से इनकार करना शुरू कर दिया तो उनके कार्यों में बाधा पैदा करने लगे। विधायक व प्रमुख उन्हें हटाने की साजिश रच रहे हैं और उनकी हत्या तक करा सकते हैं। अलीगढ़ में छर्रा क्षेत्र के भाजपा विधायक रवेंद्रपाल सिंह व पूर्व ब्लॉक प्रमुख तेजवीर सिंह पर आरोप लगाकर जिले की सियासत को गर्माने वालीं धनीपुर ब्लॉक प्रमुख पूजा दिवाकर ने अब सीएम को पत्र भेजा है और इसमें उन्होंने विधायक व पूर्व प्रमुख से खुद की जान को खतरा तो बताया है। पत्र में उन्होंने सीडीओ को भी घेरा है और कहा है कि इनके दबाव में सीडीओ उनके ब्लॉक के प्रस्तावों को निरस्त करती हैं और विकास के कार्य नहीं होने देती हैं। धनीपुर की भाजपा समर्थित ब्लॉक प्रमुख पूजा दिवाकर ने 16 जून को पत्रकार वार्ता कर विधायक व पूर्व प्रमुख पर आरोप लगाए थे। कहा था कि अब तक वे कमीशनखोरी और अपने चहेते ठेकेदारों को काम दिलाते रहे। उनकी बात मानने से इनकार करना शुरू कर दिया तो उनके कार्यों में बाधा पैदा करने लगे और निविदाओं की शिकायत करने लगे। विधायक व प्रमुख उन्हें हटाने की साजिश रच रहे हैं और उनकी हत्या तक करा सकते हैं। चूंकि वह अनुसूचित वर्ग से आती हैं। इसलिए इनकी दबंगई के आगे वह बोल नहीं पाती थी। मगर अब क्षेत्र के विकास के लिए आवाज उठाने का मन बनाया है। चाहे इसके लिए अब अपनी जान क्यों न देनी पड़े। अंत में उन्होंने न्याय की उम्मीद रखते हुए यह भी कहा है कि अगर उनकी हत्या हुई तो इसके लिए विधायक व पूर्व प्रमुख जिम्मेदार होंगे। इस दौरान यह भी बताया गया कि पूर्व प्रमुख तेजवीर सिंह सपा से हैं। उनसे पहले वह ब्लॉक प्रमुख रहे हैं। उनके निर्वाचित होने के बाद से ही वे विधायक के साथ मिलकर इस तरह की साजिश रच रहे हैं। दो दिन पहले कुछ ठेकेदारों की शिकायत पर जांच हुई थी। जिसकी जांच में निविदाओं में अनियमितताएं पाई गईं। चूंकि निविदाएं बीडीओ के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी हुई थीं। इसलिए पूरे मामले में बीडीओ से स्पष्टीकरण मांगा गया है। मामले में अभी जांच जारी है। जांच आख्या सभी के सामने है। शिकायत करने के लिए भी स्वतंत्र है। सभी की जांच कराई जाएगी। आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं है।–आकांक्षा राणा, सीडीओ पूर्व ब्लॉक प्रमुख बोले– आरोप निराधार– इस मामले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख तेजवीर सिंह का कहना है कि हमारे ऊपर आरोप निराधार हैं। हमारा अब ब्लॉक से कोई लेना देना नहीं हैं। खुद बीडीसी परेशान हैं। उनके द्वारा 11=30 बजे धनीपुर के सामने गेस्ट हाउस में बैठक रखी गई है। उसमें और बहुत से तथ्य सामने आएंगे।

रेकी कर टप्पेबाजी की घटना को अंजाम देने वाले गिरोह का भंडाफोड़, छह महिलाओं सहित 15 गिरफ्तार

मोहनलालगंज व पीजीआई पुलिस ने टप्पेबाजी करने वाले गिरोह के 15 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये लोग अपनी कार से रेकी करते थे और फिर महिलाओं को निशाना बनाते थे।लखनऊ पुलिस ने रेकी कर टप्पेबाजी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह महिलाओं सहित 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी महिलाओं की रेकी करता था ई-रिक्शा और ऑटों में सवार और टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम देता था। मोहनलालगंज पुलिस ने गिरोह के नौ लोगों को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पीजीआई पुलिस ने इसी गिरोह की छह महिलाओं को दबोचा है। एक किशोरी बाल अपचारी को भी पकड़ा गया है। जबकि 20 लोग फरार है। इनके पास लूट की चेन, 77 हजार रुपये, एक मोबाइल व रेकी में इस्तेमाल दो बोलेरो कार बरामद हुई हैं।डीसीपी दक्षिणी तेज स्वरूप सिंह के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी गोरखपुर के कसिहार की हीरन देवी, लखनापार की रेशमा, मनीषा, प्रियंका, अमहकपुर की गीता, आजमगढ़ के बिलरिया की सोनी, आंचल, कंचन व मऊ का गोंठा निवासी दिव्येंदु है जबकि, 20 फरार आरोपियों की तलाश जारी है। डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह के मुताबिक पीजीआई से पकड़े गए आरोपी गोरखपुर के कौड़ीराम निवासी महिमा, आजमगढ़ के मउकुत्तुपुर निवासी अनीता, गोरखपुर के कुटिया निवासी टोनी, गोरखपुर के लखनपुरा निवासी काजल, ज्ञानती और झांसी हैं। इनमें से रेशमा, मनीषा, प्रियंका व सोनी एक परिवार की हैं। जबकि दिव्येंदु चालक है।पकड़े जाने के डर से गिरोह बदलता रहता था होटल डीसीपी के मुताबिक पूछताछ में महिलाओं ने बताया वे पीजीआई के चरण भट्ठा रोड के आसपास होटल में रहती थीं। वे पकड़ी न जाएं इसलिए होटल बदलती रहती थीं। वे लोग बोलरो से ऑटो व ई-रिक्शा में बैठीं महिला सवारी को चुनती थीं। इसके बाद कार खड़ी कर उस ऑटो व ई रिक्शा में बैठ जाती थीं फिर उल्टी आने का नाटक कर महिला की चेन उड़ा लेती थीं। इसके बाद वे उतरकर अपनी बोलेरो से भाग लेती थीं। सीसीटीवी कैमरों से गिरोह चढ़ा हत्थे– डीसीपी के मुताबिक बीते 15 जून को नगराम के डिघारी की रहने वालीं रीता सिंह सुबह साढ़े आठ बजे ऑटो से पीजीआई दवा लेने जा रही थीं। रास्ते में आरोपी ऑटो में सवार हुई थीं फिर बातों में उलझा कर उनकी चेन चुरा कर भाग निकली थीं। पीड़िता ने 16 जून को मोहनलालगंज थाने में शिकायत की थी। पुलिस ने घटनास्थल से लेकर पीजीआई तक 25 सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। इसकी मदद से इन्हें गिरफ्तार किया गया है। पहले भी कर चुकी हैं टप्पेबाजी– – 10 जून को पीजीआई अस्पताल में तैनात कर्मी राजकुमार यादव की पत्नी वंदना की चेन की थी पार। – 10 अप्रैल को सुशांत गोल्फ सिटी के अहिमामऊ में घटना को अंजाम दिया था। – 29 मई को रायबरेली के बछरावां में भी टप्पेबाजी कर चुकी थीं। – अंबेडकरनगर में भी घटना को अंजाम दिया था।

संक्षिप्त समाचार

आवसीय जमीन पर चला रहे हैं दुकान, रेस्टोरेंट या अस्पताल, तो हो जाएं सावधान...ये निर्माण होंगे ध्वस्त

आवासीय जमीन पर दुकान, रेस्टोरेंट या अस्पताल का जो लोग संचालन कर रहे हैं, उनके लिए बुरी खबर है। आवास विकास परिषद ने व्यावसायिक गतिविधियों वाले ऐसे भूखंड़ों को चिन्हित कर लिया है। इन सभी को ध्वस्त किया जाएगा। आगरा में आवास विकास परिषद ने कमला नगर, सिकंदरा और आवास विकास कॉलोनी में अवैध निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों पर 21 भवनों को सील कर दिया है। ऐसे 71 भवन चिह्नित किए गए हैं। उप आवास आयुक्त ने आगरा पहुंचकर कार्रवाई की समीक्षा भी की। व्यावसायिक गतिविधियां करने वालों को नोटिस देने के निर्देश दिए। इन भवनों को ध्वस्त किया जाएगा।आवास विकास परिषद में अवैध निर्माण के नाम पर रिश्वत लेने के आरोप में अधिशासी अभियंता रजनीश कुशवाह, सहायक अभियंता निसार सहित तीन कर्मचारियों को इसी माह निलंबित किया गया था। इस कार्रवाई के बाद परिषद की कॉलोनियों में अवैध निर्माणों की सच्चाई सामने आई। आवास विकास कॉलोनी में हर चौथे आवास में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी तरह सिकंदरा योजना और कमला नगर में भी कॉलोनियों के मूल स्वरूप को ही बदल दिया गया है। टीमों ने 11 से 14 जून तक अभियान चलाकर 71 भवनों को चिह्नित किया गया, जिनमें अवैध रूप से निर्माण कर लिए गए हैं। इसी तरह 21 भवनों को सील किया गया। परिषद की तीनों आवासीय योजनाओं में मॉल, रेस्टोरेंट, डिपार्टमेंटल स्टोर तक खुल गए हैं। बुटीक, क्लीनिक, कोचिंग जैसी गतिविधियां भी आम बात हो गई हैं। कंपाउडिंग का रास्ता बंद होने के बाद अधिकांश मामलों में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होना तय है। आवासीय जमीन पर दुकान, रेस्टोरेंट या अस्पताल का जो लोग संचालन कर रहे हैं, उनके लिए बुरी खबर है। आवास विकास परिषद ने व्यावसायिक गतिविधियों वाले ऐसे भूखंड़ों को चिन्हित कर लिया है। इन सभी को ध्वस्त किया जाएगा।

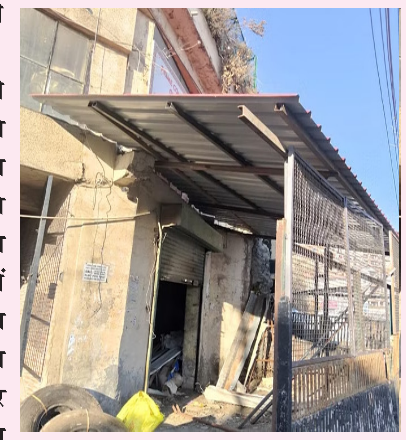

आधी रात बेटी की चीख-पुकार सुनकर कमरे में पहुंचे मां-बाप, मंजर देखकर कांप गया कलेजा

शाहजहांपुर के कलान थाना क्षेत्र में सोमवार की रात एक किशोरी ने खुद को आग लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। किशोरी ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसकी वजह उसके परिजन नहीं बता पाए हैं। पुलिस जांच कर रही है। शाहजहांपुर के कलान थाना क्षेत्र के रुकनपुर गांव में 15 वर्षीय किशोरी ने खुद पर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा ली। चीख-पुकार सुनकर परिजन पहुंचे तो किशोरी पूरी तरह से जल चुकी थी। आत्महत्या का कारण परिजन स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं। ग्राम रुकनपुर में अरिल नदी के पुल के पास रहने वाले गंगाराम श्रीवास्तव की पुत्री सरस्वती सोमवार रात अपने कमरे में सो रही थी। रात करीब एक बजे कमरे से चीखने-चिल्लाने की आवाज आई तो घर के बाहर सो रहे पिता गंगाराम और मां ममता अंदर आए। उन्होंने देखा कि सरस्वती पूरी तरह से जल चुकी थी। थोड़ी ही देर में उसकी मौत हो गई। परिवार के लोग यह नहीं बता पा रहे हैं कि उसने आत्महत्या क्यों की? परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी प्रभाष चंद्र ने बताया कि किशोरी की आग लगने से मौत होने की जानकारी मिली थी। उसके आत्महत्या करने की बात सामने आ रही है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

हाय गर्मी: हांफ रहा बिजली सिस्टम, बढ़ रहा लोड, एक दिन में हुई 15.36 करोड़ की डिमांड

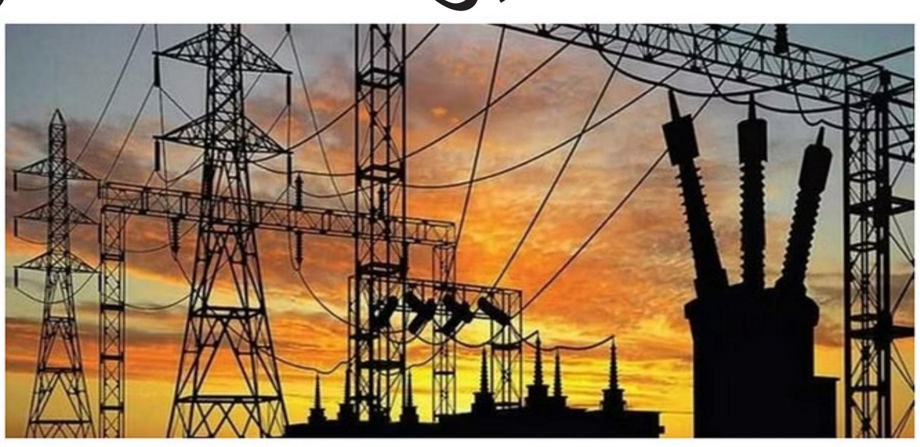

अलीगढ़ शहरी क्षेत्र में 800 मेगावाट की रिकॉर्ड मांग को अगर यूनिट में बदलेंगे तो यह आंकड़ा एक करोड़ 92 लाख यूनिट में पहुंचता है। मांग के अनुसार बिजली की एक यूनिट की कीमत आठ रुपये है। इस तरह शहरी क्षेत्र में एक दिन में मांगी गई बिजली की कीमत का आंकड़ा 15 करोड़ 36 लाख रुपये पहुंचता है, जो बड़ा रिकॉर्ड है।भीषण गर्मी में बिजली सिस्टम भी हांफने लगा है। आलम ये है कि अब सिस्टम की क्षमता भार झेलने लायक नहीं है, लेकिन जिस गति से मांग बढ़ रही है, अधिकारियों के हाथ पांव फूल रहे हैं। उनका कहना है कि इससे अधिक मांग बढ़ी तो उपकरण भी साथ छोड़ने लगेंगेशहरी क्षेत्र में बिजली मांग की बात करें तो 10 जून के बाद इसका आंकड़ा 800 मेगावाट पार कर रहा है, जो एक रिकॉर्ड है। सोमवार को शहरी क्षेत्र में बिजली की मांग 800.95 मेगावाट रही है। इससे पहले 13 जून को यह मांग 804 मेगावाट रही थी। सामान्य दिनों में अलीगढ़ शहरी विद्युत वितरण मंडल की मांग प्रतिदिन 600 मेगावाट के अंदर ही रहती है। गर्मी में पिछले वर्ष सर्वाधिक मांग का आंकड़ा 22 मई को 774 मेगावाट पहुंचा था। मगर, इस बार मई के बाद जून रिकॉर्ड तोड़ रहा है।10 जून को मांग 777 और 11 जून को 783 मेगावाट रही। 13 जून को यह रिकॉर्ड 804 मेगावाट रहा। 14 जून को थोड़ी गिरावट के साथ 752.6 मेगावाट की मांग रही। अब 17 जून को यही मांग 800.95 मेगावाट पहुंची है। यह इस माह का अब तक का दूसरा उच्चतम रिकॉर्ड है। इस तरह पिछले माह से 28 फीसदी मांग अधिक बढ़ गई है। मांग बढ़ने का मुख्य कारण घरों में बढ़ता बिजली का उपयोग, एसी का चलना आदि माना जा रहा है। जिसकी वजह से विद्युत लाइनें व ट्रांसफॉर्मर जैसे जरूरी उपकरण भी हांफ रहे हैं। भार बढ़ने से ट्रिपिंग व फॉल्ट की शिकायतें बढ़ रही हैं। जिले में 13 जून को सबसे अधिक 804 एमवीए बिजली की मांग रही। सोमवार को भी 800.95 मेगावाट बिजली की मांग रही है, जो रिकॉर्ड है और क्षमता से भी अधिक है। लोगों से एक साथ सभी उपकरण प्रयोग में न लाने की अपील है।–सुबोध कुमार शर्मा, मुख्य अभियंता। उपकरणों की ओवरलोडिंग की हालत– 250 केवीए के ट्रांसफॉर्मर की क्षमता 325 एंपीयर तक लोड की 10 जून से 250 केवीए के ट्रांसफॉर्मर 400 एंपीयर तक लोड में 33 केवी की लाइन की क्षमता 300 एंपीयर तक लोड लेने की है 10 जून से शहरी क्षेत्र में लाइनों का 360 तक पहुंच रहा है लोड एक दिन में 15.36 करोड़ रुपये की बिजली की मांग– शहरी क्षेत्र में 800 मेगावाट की रिकॉर्ड मांग को अगर यूनिट में बदलेंगे तो यह आंकड़ा एक करोड़ 92 लाख यूनिट में पहुंचता है। मांग के अनुसार बिजली की एक यूनिट की कीमत आठ रुपये है। इस तरह शहरी क्षेत्र में एक दिन में मांगी गई बिजली की कीमत का आंकड़ा 15 करोड़ 36 लाख रुपये पहुंचता है, जो बड़ा रिकॉर्ड है।

राशन डीलर हत्याकांड: 25 हजार का इनामी सोनू जाटव मुठभेड़ में दबोचा, गोली लगने से घायल, दो जा चुके हैं जेल

13 जून को कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव धौरपुर निवासी राशन डीलर योगेश उपाध्याय की कुछ नामजद लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में कोतवाली हाथरस जंक्शन में चार नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।17 जून की देर रात कोतवाली जंक्शन पुलिस और एसओजी की राशन डीलर हत्याकांड में 25 हजार इनामी अभियुक्त से मुठभेड़ हो गई। गोली लगने से अभियुक्त घायल हो गया। घायल को पुलिस ने जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया है। मामले में पुलिस दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।मुखबिर की सूचना पर थाना हाथरस जंक्शन पुलिस व एसओजी टीम की संयुक्त कार्यवाही में पुलिस मुठभेड़ राशन डीलर योगेश उपाध्याय की हत्या में वांछित 25 हजार इनामी अभियुक्त सोनू जाटव ग्राम वाहनपुर टमाटर रोड के पास गोली लगने से घायल हुआ है । घायल अभियुक्त को उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है । गिरफ्तार व घायल अभियुक्त के कब्जे से एक मोटरसाईकिल बिना नम्बर प्लेट व अवैध असलाह कारतूस बरामद हुए हैं । थाना हाथरस जंक्शन पुलिस आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर रही है।बता दें कि 13 जून को कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव धौरपुर निवासी राशन डीलर योगेश उपाध्याय की कुछ नामजद लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में कोतवाली हाथरस जंक्शन में चार नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। बाकी चार फरार चल रहे हैं, जिसमें से 25 हजार इनामी सोनू जाटव को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्रान्तीय अधिवेशन में विश्व हिंदू महासंघ टीम हुई सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली –तीन दिवसीय प्रान्तीय अधिवेशन का मंगलवार को विधिवत समापन हो गया। ज्ञात रहे विश्व हिन्दू महासंघ गौरक्षा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश का तीन दिवसीय प्रान्तीय अधिवेशन काशी विश्वनाथ की पावन धरा पर बनारस में गौरक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण दुबे प्रदेश महामंत्री मनोज प्रजापति के नेतृत्व में अधिवेशन का आयोजन किया गया। जिसमें गौ-माता के लिए शासन द्वारा मिल रही योजनाओं को अशोक अग्रवाल ने वहां मौजूद कार्यकर्ताओं और जनता को विस्तार से बताया ।विश्व हिन्दू महासंघ बरेली के जिला प्रभारी अजय वर्मा ,जिलाध्यक्ष अशोक अग्रवाल , जिला महामंत्री देवेश कुमार पटेल ,जिला उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश शर्मा, ,महानगर प्रभारी पुनीत शर्मा को मंच पर बुलाकर उनके बेहतरीन कार्यकुशलता को लेकर सम्मानित किया गया सम्मानित टीम कोजिला उपाध्यक्ष सचिन पटेल , महानगर उपाध्यक्ष रचित पटेल , केशव मौर्य , गोपेश पटेल आदि ने बधाई दी है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

One Health: 'Together, One Health and One Future', this formula will have to be worked upon to deal with a pandemic like Corona

One Health is an emerging valid concept and important health strategy at national and international forums. Since One Health is a completely new conservation aspect in the network of WWF-India. Has the threat of emerging and rapidly spreading diseases at the human-animal-environment interface been averted after Corona? If not, then how can we protect ourselves from serious diseases like Covid-19 in the future? Read here.. The repeated outbreak of bird flu has put duck farming, a constant source of income for many families in these affected areas of Kerala, at a crossroads. Experts say that as it severely affects the economic condition of farmers as well as being a threat to human health, the outbreak of avian influenza should be handled in time with due importance. Apart from Kerala, Andhra Pradesh, Maharashtra and Jharkhand have also been reported as states affected by bird flu this year. This year, incidents of spread of other infectious diseases have also been reported in many different areas of our country like Kyasanur forest disease in Western Ghats, West Nile Fever in Kerala and Swine Flu in Assam etc. According to the Centers for Disease Control and Prevention, US, about 60 percent of known infectious diseases in humans and about 75 percent of all emerging infectious diseases are caused by pathogens that originate in animals. The outbreaks of these infectious diseases emerging from time to time at the human-animal-environment interface across the world almost every year have clearly demonstrated that new highly infectious agents try to spread rapidly in the environment as soon as they get the opportunity and can assume a monstrous form if not controlled in time. In such a situation, an idea emerges as to how these diseases can be prevented or controlled in time. The solution appears to be the need to implement coordinated efforts at various levels. The concept of One Health has emerged out of this need and for this reason its application is being developed at the national and international level. One Health is an integrated and holistic approach, which believes that human health, animal health and the health of the environment around us (shared environment) are closely linked, especially human health depends heavily on the health of the other two. To tackle health threats to humans, animals and the environment and to balance the health of all in a sustainable manner, there is a need for collaboration at various levels, across sectors and disciplines, so that the concept of One Health can be implemented on the ground. This is why international organizations such as the World Health Organization (WHO), Food and Agriculture Organization (FAO) of the United Nations and the World Organization for Animal Health (OIE/ WOAH) have also strongly advocated this concept. The ever-increasing exploitation of natural resources, the rapid expansion of agricultural activity, international trade, urbanization and the increasing use of antibiotics are negatively impacting the health of the environment and the species living in it, including humans. To mitigate the negative impacts of these man-made disasters, there is also a need to establish a long-term approach that can provide solutions built on environmentally friendly development activities. Forest fringe areas where human settlements meet forests are particularly vulnerable to disease transmission that emerge at the interface between wildlife, livestock and humans. Here, the situation is further complicated for rural households vulnerable to external shocks due to inadequate health infrastructure and lack of disease awareness. Diseases spreading among livestock and wild animals pose a challenge to the livelihoods of the people of the local community as well as wildlife conservation. To address all these challenges, there is a dire need to create awareness about adopting sustainable practices with the participation of people from rural communities. How does One Health work? This approach inspires many sectors, disciplines and communities to work together at different levels of society. Data is systematically collected and analyzed on the incidence of infectious diseases and related behaviors in both humans and animals. In this way new and better ideas are developed, which identify and analyze the root causes and create long-term, sustainable solutions. One Health mainly involves public human health, veterinary medicine, environment, science and technology fields. One Health - Importance for India- India is one of the most livestock populated countries in the world, with a high density of human population and rich biodiversity and hence the risk of inter compartmental spread of diseases cannot be denied. The ever increasing threat of diseases emerging at the human-animal-environment interface shows that holistic health is not only about addressing diseases from the human health perspective but also needs to focus on the health aspects of livestock and wildlife. Government of India's efforts in One Health Mission- Government of India is making efforts to bring together the health of humans, animals and the environment. Various countries are working together to provide health services to the people.Under the National Disease Control program, there has been an increase in collaboration and cooperation at the national and state levels. Joint research priorities are being emphasized, under which the 'One Health Centre' (National Institute for One Health, NIOH) has been established in Nagpur. One Health Support Unit has been established in the Department of Animal Husbandry and Dairying Conclusion- One Health is not only a one health approach, but it is also an important step towards a sustainable and prosperous society. Big challenges can be addressed by small awareness efforts and improvement of practices. One Health needs to be implemented at the grassroots level to repair the damage to health and the increase in animal-human conflict due to interference with the environment. In India, One Health is in the initial stages. Adoption of this approach is particularly important in India, where there is a close relationship between health, environment, and livelihood. Through awareness, expansion of services, and environmental protection we can move towards a healthy and safe future.

Apart from being tasty, stuffed parwal vegetable is also beneficial in weight loss

Stuffed parwal is such a vegetable that even if you frown upon hearing its name, but there are many benefits of eating it. This vegetable is beneficial for weight loss as well as diabetes patients. You can easily prepare this vegetable at home from parwal available in summer. Here is its quick and easy recipe. Parwal contains vitamin A, vitamin B1, vitamin B2, vitamin C and calcium. Consumption of parwal is beneficial in many problems like weight, diabetes. Vegetables are very beneficial for health, but not only children but even adults get sad after seeing some vegetables and find various excuses not to eat it. Along with gourd, pumpkin, brinjal, ridge gourd, the name of parwal is also included in this list. Parwal is a vegetable available in summer, whose taste is a little different, but adding taste to it is not a difficult task. Well, before coming to the taste, it is more important to know about its benefits, only then you will get the motivation to eat it. Let us tell you that many other nutrients like vitamin A, vitamin B1, vitamin B2, vitamin C and calcium are also present in parwal. Eating it keeps infectious diseases away. Along with this, this vegetable also has the ability to cure diseases like liver and jaundice. Not only this, eating it keeps the weight under control. Also, this vegetable keeps diabetes and high cholesterol under control. Stuffed parwal recipe - Ingredients- 250 grams parwal, 2 teaspoons mustard oil, cumin seeds, finely chopped green chilies, turmeric-coriander powder, fennel powder, red chili, khatai, garam masala, green coriander and salt according to taste. Method- Peel the parwal and make a slit in the middle and take out its pulp. Keep the pan to heat. Add half a teaspoon of oil in it. After the oil is heated, add cumin tadka. Add parwal pulp, turmeric, green chili, fennel and coriander powder and fry for two minutes. After that add garam masala, khatai and salt according to taste and mix well. After this, fry again for 5 minutes. Turn off the gas. Now fill this prepared masala in the parwal. Now heat oil in a pan. Add stuffed parwal in it and cover and cook for 5 minutes. Stuffed parwal is ready to serve.

Bridal Entry Ideas that will make this special moment of your wedding memorable for everyone

From the bride to the groom, everyone is putting in extra effort to make every moment of the wedding memorable, but in all these preparations, many things get missed, one of which is the bridal entry. On which not only the cameraman focuses but the eyes of the people are also fixed. You can make your bridal entry special with these methods. The new trend of weddings is the bride's entry on the stage in a different way. You can use pets, dance, bike or scooty to make the bridal entry special. The bride and groom dream a lot about their wedding. Be it decoration or outfits, photographs or honeymoon. They do a long research about each and every thing, see the trends and then finalize things. One special thing that is being seen in the new trends of weddings is their entry. Celebrity weddings have played a special role in making this trend popular. Bridal entry with a sheet of flowers has become very common now, so if you are looking for some cool ideas for your entry, then have a look at these options. Surely people will remember your entry for years. Entry by car or bike You can enter by car or bike. Which is a very cool and different idea. If you have finalized this option, then choose the option of sneakers or boots instead of heels with the lehenga, which will look good along with being comfortable. Entry with pets- This style of bridal entry is also very fun. You just have to decorate your pets with you. The way of including your beloved pets in your wedding in this way will be very unique. Entry while dancing- Nowadays many brides enter their wedding while dancing. Enter while doing a cool solo dance or you can prepare a small dance piece with your friends. By the way, the idea of ??entering while doing a romantic dance with your partner is also not bad. Entry with siblings or friends- Parents are closest to the heart of every bride. Along with the bride, this day is very special for the parents too, they also want to be a part of your happiness, so why not make your entry special with them.

Sharmajee Ki Beti OTT Release: Release date of Tahira Kashyap's first film announced, know when and where it will stream

Tahira Kashyap's directorial film Sharmaji Ki Beti premiered at the Jio MAMI Film Festival last year. Where the movie was highly praised. Now the makers have announced to release it at the global level. This movie starring Sakshi Tanwar, Divya Dutta and Sayami Kher is going to hit the OTT platform soon. Sharmaji Ki Beti will be released at the global level. It will

stream on the OTT platform Prime. Tahir Kashyap made his directorial debut. Till now, many women-oriented films have been made in Bollywood including 'Queen', 'Crew', 'Veere Di Wedding' and 'Thank You for Coming', in which new stories were seen with different stars. Now the name of another movie has been added to this list and that is 'Sharmaji Ki Beti'. Last year, this film premiered at the Jio MAMI Film Festival. Now its makers have announced the global premiere of the film. With this film, Ayushmann Khurrana's wife Tahira Kashyap made her directorial debut. Let's know when and where this movie is going to be streamed. Watch the film 'Sharmaji Ki Beti' here - This film starring Saiyami Kher, Sakshi Tanwar and Divya Dutt got a positive response from the audience and critics. In such a situation, now it can be seen on the OTT platform Prime Video. This movie is going to stream on June 28 this month. Presented by Applause Entertainment and produced by Ellipsis Entertainment, this film is written and directed by Tahira Kashyap. Ayushmann Khurrana reacted - Many celebs and fans have given their reactions on this post of Prime Video. Ayushmann shared a heart emoji on this. Applause Entertainment wrote that everyone is very excited to meet Super-Sharma. Apart from these, many stars including Tisca Chopra and Neeti Mohan also reacted to it. What will be the story of the film- Sharmaji Ki Beti is based on the lives of five women. This film will work to give wings to the dreams of women. Not only this, this movie will also show the challenges faced to achieve dreams. Arista Mehta, Sharib Hashmi, Parveen and Vanshika Taparia will also be seen in this movie.

When Allu Arjun rejected the movie, Salman Khan hit a four on the spot, will he become the king of 1000 crores after Shah Rukh?

South's well-known director Atlee Kumar worked with Shah Rukh Khan in Jawaan. People liked the story of the film very much. This movie did a business of more than 1000 crores at

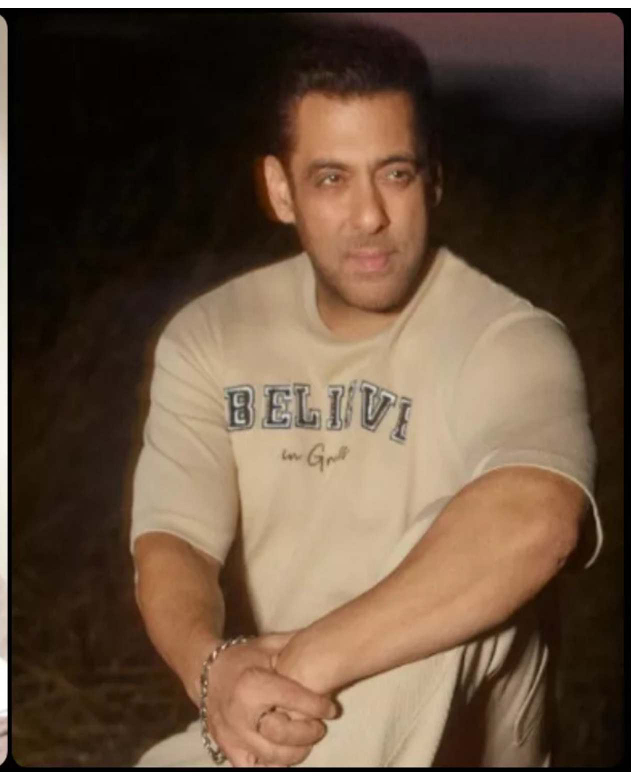

the box office. Now once again Atlee can be seen working with a Bollywood star and that star is none other than Salman Khan. After Shah Rukh Khan, Atlee will work with Salman, the announcement of the film may be made, the shooting of Atlee Kumar's film will start next year, Shah Rukh Khan's film 'Jawaan', which came in the year 2023, created a stir at the box office. This film was directed by Atlee Kumar. People also liked the pairing of the South director and King Khan. In such a situation, fans once again wanted to see Atlee working with Bollywood stars. Now it is possible that his wish will be fulfilled soon. However, this time Atlee's pairing may not be seen with Shah Rukh Khan, but with Salman Khan. According to reports, the movie which the director was going to do with Allu. Now it has come in Bhaijaan's lap and its shooting can also start soon. Announcement can be done soon - Actually, according to a report by Telugu 360, talks have been held between Salman Khan and Atlee regarding this movie and now any day an official announcement can be made regarding this project. At the same time, Atlee is finalizing the script of the film. This information was received about the shooting - According to reports, Sun Pictures can handle the production work. However, the shooting of the film will start next year, as Salman Khan is currently busy shooting for 'Sikander'. It is being told that Bhaijaan has been offered a huge amount for this. In such a situation, now the fans are waiting for its official announcement. Let us tell you that earlier Atlee was going to do this movie with Allu Arjun, but for some reason he rejected this movie, after which it came in Salman's lap. 'Sikander' will be released on Eid - The shooting of Salman Khan's film 'Sikander' is also going to start from tomorrow. This movie will be released on the occasion of Eid next year, in which Salman Khan will be seen doing action once again. Rashmika Mandana will also be seen sharing the screen with the actor in the movie.

Kangana Ranaut gifted a luxurious house in Chandigarh to her younger brother on his wedding, you won't be able to take your eyes off the inside view

Bollywood actress and Mandi MP Kangana Ranaut recently attended her cousin brother's wedding. The actress also shared pictures of the engagement. Kangana Ranaut has gifted a luxurious house to her brother and sister-in-law on their wedding. Now she has shared a thank you note for her brother and sister-in-law on social media. Kangana showered love on her brother and sister-in-law Brother thanked Kangana Kangana shared pictures of the house Actress turned politician Kangana Ranaut is once again in the news. The actress recently shared information about her younger brother's wedding. Now Kangana Ranaut is attracting attention due to the gift given to her younger brother and sister-in-law. Kangana Ranaut shared a photo from her cousin Varun Ranaut's engagement on social media a few days ago. The actress also congratulated the newly wed couple on their new life. At the same time, now she has given an update about the gift. Kangana showered love on her brother- Kangana Ranaut garnered a lot of discussion about Chandigarh. While leaving for Delhi, she was slapped at the Chandigarh airport. At the same time, now she has gifted a luxurious house to her brother and sister-in-law in the same city. The actress has shared a thank you note from her brother and brother in her Insta story, in which she thanked Kangana Ranaut for the house. Along with this, she also showed the inside photo of the house. Kangana's brother thanked her- Kangana Ranaut shared her brother's post in her Instagram story, in which he wrote for the actress, "Thank you Didi, Chandigarh is home now." After this, Kangana also shared a screenshot of her sister Rangoli's Instagram story, which read, "Dear sister Kangana, you always fulfill our dreams and make them come true ... Thank you very much for everything. What did Kangana Ranaut say- Kangana Ranaut responded to the post and said, "Guru Nanak Dev ji said that we should share whatever we have, he said that we always feel that we do not have enough, yet we should share and I think there is no greater happiness than this ... Thank you for always sharing everything with me." Sister-in-law also became a fan of Kangana - Kangana Ranaut's sister-in-law Anjali Ranaut also thanked her. While sharing the photo of the house warming, she gave a glimpse of different parts of the house. This includes pictures of the bedroom, drawing room, puja ghar and main gate.